शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 230 | गुवाहाटी | रविवार, 23 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

घाटे में चल रहे सार्वजनिक सेवा उद्यमों की संख्या बढ़कर 17 हुई पेज 2

विपक्ष ने सांसद त्रिवेदी के बयान को गलत तरीके से पेश किया : भाजपा पेज 3

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे हिसार के महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट का... पेज 5

हम पंजाब किंग्स को सर्वश्रेष्ठ टीम बनाएंगे : रिकी पोंटिंग पेज 7

मुख्यमंत्री शर्मा ने बीसीपीएल का दौरा किया

प्लांट की वित्तीय समस्याओं के लिए स्थायी समाधान का आह्वान किया

डिब्रूगढ़ (एजे/हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) के सामने आने वाली वित्तीय चुनौतियों के के लिए स्थायी समाधान की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया है, जिसे पिछले दो वर्षों से घाटा हो रहा है। शनिवार को डिब्रूगढ़ के लेपेटकाटा में बीसीपीएल के दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने खुलासा किया कि पेट्रोकेमिकल कंपनी को सालाना 500 करोड़ रुपए का घाटा हो रहा है। प्लांट का दौरा करने और बीसीपीएल के सीएमडी प्रांजल चांगमई से जानकारी लेने के बाद शर्मा ने माना कि भले ही अल्पावधि में सरकारी सहायता जारी रहे, लेकिन एक मजबूत दीर्घकालिक रणनीति जरूरी है। शर्मा ने कहा कि बीसीपीएल को पिछले दो वर्षों में 500 करोड़ रुपए के करीब वार्षिक घाटे के साथ महत्वपूर्ण वित्तीय बाधाओं का सामना करना पड़ा है। हालांकि हम इस महत्वपूर्ण परियोजना का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन हमें ऐसे स्थायी समाधान विकसित करने होंगे जो केवल सरकारी सहायता पर निर्भर रहने के बजाय इसकी दीर्घकालिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करें। बीसीपीएल, जिसे अक्सर असम गैस क्रैकर परियोजना के रूप में जाना जाता है, पूर्वोत्तर भारत में एक प्रमुख औद्योगिक पहल है। यह एक संयुक्त उद्यम के रूप में संचालित होता है, जिसमें गेल (इंडिया) लिमिटेड की 70 फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि असम सरकार, नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) और ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) सामूहिक रूप से शेष 30 फीसदी इक्विटी के मालिक हैं। 5 फरवरी, 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन की गई इस परियोजना को ऐतिहासिक असम समझौते के हिस्से के रूप में शुरू किया गया था और हाल ही में इसके संचालन के नौ साल -शेष पृष्ठ दो पर

एससी के न्यायाधीशों ने राहत शिविरों का दौरा किया, कहा-

मणिपुर में जल्द बहाल होगी शांति

इंफाल (एजे/हि.स.)। न्यायमूर्ति बीआर गवई की अध्यक्षता में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को राज्य के संघर्षग्रस्त चुराचांदपुर और बिष्णुपुर जिलों में राहत शिविरों का दौरा किया और चल रही जातीय हिंसा से प्रभावित आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) को सहायता की पेशकश की। टीम में न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश, न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन के साथ-साथ मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी. कृष्णकुमार और न्यायमूर्ति गोलमेई गैफुलशिलू शामिल थे। उनके आगमन पर, प्रतिनिधिमंडल का इम्फाल हवाई अड्डे पर वकीलों के समुदाय द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इसके बाद टीम चुराचांदपुर के सद्भावना मंडप राहत केंद्र के लिए रवाना हुई, जहां उन्होंने विस्थापित व्यक्तियों के साथ बातचीत की, जिनमें से कई लोग मई 2023 में इम्फाल घाटी के मैतेई समुदाय और आसपास की -शेष पृष्ठ दो पर

भारत जगत गुरु बनने की दिशा की ओर अग्रसर : सुधांशु त्रिवेदी

अयोध्या (हि.स.)। श्रीअरविंद सोसायटी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड हिंदी राज्य समिति का वार्षिक सम्मेलन शनिवार को राम नगरी में आरंभ हुआ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सभी आयोजकों एवं पदाधिकारियों को बधाई देते हुए सम्मेलन के मुख्य विषय सनातन धर्म और श्री राम, श्रीअरविंद के -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय के सीएम ने बर्नीहाट प्रदूषण से निपटने के लिए हिमंत से संपर्क किया

शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड सांग्मा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से संपर्क किया है और बर्नीहाट में प्रदूषण से निपटने के लिए एक संयुक्त समिति के गठन का प्रस्ताव रखा है। इस पहल का उद्देश्य प्रदूषण से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए दोनों राज्यों के बीच एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण बनाना है, क्योंकि आईक्यूएयर ने अपनी विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2024 में बर्नीहाट को *दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर* बताया है। मुख्यमंत्री सांग्मा ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री शर्मा को औपचारिक रूप से पत्र लिखा है तथा समन्वित प्रयासों की आवश्यकता के संबंध में सीधी बातचीत की है। सांग्मा ने कहा कि पर्यावरण संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखते -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दुनिया की लगभग हर चीज सिर्फ ठोकर लगने से ही टूट जाती है, सिर्फ एक कामयाबी ही है, जो ठोकर खाने के बाद ही मिलती है।

-अज्ञात

उमियम में असम पुलिस प्रशिक्षु की मौत

एचसी ने तीन साल की देरी की निंदा की, 31 मई की समयसीमा तय की

शिलांग। मेघालय उच्च न्यायालय ने उमियम स्थित पूर्वोत्तर पुलिस अकादमी (नेपा) में असम पुलिस के एक प्रशिक्षु की रहस्यमयी मौत की जांच के निर्देश दिए हैं तथा जांच पूरी करने के लिए 31 मई तक की समयसीमा तय की है। लंबी देरी पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्य न्यायाधीश आई.पी. मुखर्जी ने टिप्पणी की कि यह अदालत यह सुनकर काफी हैरान है कि तीन साल बाद भी जांच पूरी नहीं हो सकी; इसलिए कोई आरोप पत्र दायर नहीं किया जा सका। अदालत ने यह -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने *बिहार दिवस* पर लोगों को बधाई दी, सांस्कृतिक विरासत में पूर्वी राज्य के योगदान की सराहना की

गुवाहाटी/तिनसुकिया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को *बिहार दिवस* पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और देश की सांस्कृतिक विरासत और विकास में योगदान के लिए पूर्वी राज्य की सराहना की। बिहार के स्थापना दिवस के अवसर पर, राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य की उपस्थिति में गुवाहाटी में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ असम में भी मनाया जा रहा था। शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बिहार भारत की सांस्कृतिक विरासत का केंद्र बिंदु रहा है और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग राज्य को एक नई दिशा में आगे ले जाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि बिहार दिवस के अवसर पर, बिहार के लोगों को मेरी शुभकामनाएं और बधाई। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए गुवाहाटी में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि असम, बिहार और अन्य क्षेत्रों के पारंपरिक और लोक कला रूपों को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक प्रदर्शन कार्यक्रम के हिस्से के रूप में प्रस्तुत किए जाएंगे। पिछले कुछ सालों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्थापना दिवस राज्यपाल की मौजूदगी में मनाए गए हैं, जो राष्ट्रीय अखंडता को मजबूत करने के लिए देश भर में इन अवसरों को मनाने के केंद्र के फैसले के -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदी के साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को मिलेगा ज्ञानपीठ पुरस्कार

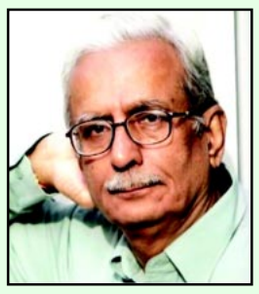

नई दिल्ली (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के प्रख्यात हिंदी साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को भारतीय साहित्य के सर्वोच्च सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। शुक्ल छत्तीसगढ़ के पहले लेखक हैं जिन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। भारतीय ज्ञानपीठ के महाप्रबंधक आरएन तिवारी ने शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार भारतीय भाषाओं में उत्कृष्ट साहित्य रचने वाले रचनाकारों को प्रदान किया जाता है। इस सम्मान के अंतर्गत 11 लाख रुपए की राशि, वाग्देवी की कांस्य प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि सुप्रसिद्ध कथाकार और ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रतिभा राय की अध्यक्षता में नई दिल्ली में हुई प्रवर -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बहादुरगढ़ में दो धमाकों के बाद घर में लगी आग, चार की मौत

बहादुरगढ़। हरियाणा के बहादुरगढ़ जिले केब सेक्टर 9 में शनिवार शाम करीब 6:30 बजे एक घर में दो धमाकों के साथ आग लगने से चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा विधायक को विस में अपशब्द बोलने की मिली सजा

प्रदेश अध्यक्ष ने जनता से माफी मांगने का दिया निर्देश

गुवाहाटी। असम भाजपा ने शनिवार को अपने विधायक रूपज्योति कुर्मी को विधानसभा में विपक्षी सदस्यों के प्रति अपशब्द कहने को लेकर राज्य की जनता से माफी मांगने का निर्देश दिया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कुर्मी को लिखे पत्र में कहा कि शुक्रवार को विधानसभा में उनका व्यवहार लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ था। मरियानी के विधायक कुर्मी ने सदन में चर्चा के दौरान विपक्षी विधायकों के साथ तीखी नोकझोंक की और उन पर अपशब्दों का प्रयोग किया। जिन्हें बाद में सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया। इसके अलावा, उन्होंने विपक्षी सदस्यों की ओर लपकने की भी -शेष पृष्ठ दो पर

परिसीमन में लोकसभा सीटें घटी तो विचारों को व्यक्त करने की क्षमता होगी कम : स्टालिन

चेन्नई (हि.स.)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि जनसंख्या आधारित निर्वाचन क्षेत्र के परिसीमन को स्वीकार नहीं किया जा सकता। यहां हर राज्य ने प्रभावी जनसंख्या नियंत्रण के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रगति दिखाई है। यह कार्रवाई ऐसे राज्यों के लिए सजा होगी। प्रतिनिधियों की संख्या में कमी से हमारे विचारों को व्यक्त करने की क्षमता कम हो जाती है। साथ ही हमारे राज्यों को आवश्यक धनराशि प्राप्त करने में संघर्ष करना पड़ेगा। वह परिसीमन को लेकर शनिवार को आयोजित संयुक्त समिति की बैठक में बोल रहे थे। जनसंख्या के आधार पर लोकसभा सीटों के परिसीमन का विरोध करने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व में तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में एक संयुक्त -शेष पृष्ठ दो पर

सारंडा में हमला, सीआरपीएफ के एसआई समेत दो जवान घायल

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिला के सारंडा में छोटानागरा थाना अंतर्गत वनग्राम मरांगपोंगा के आस-पास जंगली पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाए गए आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से सीआरपीएफ 193 बटालियन के एसआई सुनील कुमार मंडल व जवान पार्थ प्रतिम डे जख्मी हो गए। इस संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, आदि अपने दस्ता सदस्यों के साथ सारंडा में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील हैं। इस बात की सूचना पर चाईबासा पुलिस, कोबरा, झारखंड जगुआर एवं सीआरपीएफ बटालियनों की विभिन्न टीमों का एक -शेष पृष्ठ दो पर

संघ ने बांग्लादेश के हिंदुओं के साथ एकजुटता से खड़े रहने और निर्णायक कार्रवाई का किया आह्वान

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा हिंदू समाज विशेष रूप से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के खिलाफ बढ़ती हिंसा और लक्षित उत्पीड़न पर गहरी चिंता व्यक्त की है। इसके साथ ही संघ ने वैश्विक समुदाय से हिंदू समाज के साथ एकजुटता से खड़े रहने और निर्णायक कार्रवाई का आग्रह किया है। संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा बेंगलुरु के चन्नेनहल्ली स्थित जनसेवा विद्या केंद्र में चल रही है। बैठक के दूसरे दिन शनिवार को सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने प्रतिनिधि सभा द्वारा पारित प्रस्तावों पर मीडिया को जानकारी दी। इस दौरान उनके साथ अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर भी मौजूद थे। सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने कहा कि भारत सरकार ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए सराहनीय कदम उठाए हैं। बांग्लादेश सरकार के साथ कूटनीतिक प्रयास भी किए हैं और कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी इस मुद्दे को उठाया है, लेकिन अगर अत्याचार जारी रहा या बढ़ा तो आगे -शेष पृष्ठ दो पर

मतदान केंद्र स्तर पर लंबित मामला

ईआरओ, डीईओ, सीईओ स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ जमीनी स्तर की बैठक

नई दिल्ली। देश भर में 4,123 ईआरओ अपने-अपने विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों (एसी) में मतदान केंद्र स्तर पर लंबित किसी भी मुद्दे का समाधान करने के लिए सर्वदलीय बैठकें कर रहे हैं। इसी तरह, सभी 28 राज्यों और 8 संघ राज्य के सभी 788 जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) और 36 सीईओ को जिला और राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र स्तर पर ऐसी बैठकों का आयोजन करने तथा लंबित मुद्दों का समाधान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 में निर्धारित कानूनी ढांचे और आयोग द्वारा समय-समय पर जारी मैनुअल, दिशा-निर्देशों और अनुदेशों के भीतर करने का निदेश दिया गया है। राष्ट्रीय/राज्यीय राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी के साथ ये बैठकें पहले ही शुरू हो चुकी हैं। ऐसी सभी बैठकें पूरे देश में प्रत्येक विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र, जिले और राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र में 31 मार्च, 2025 तक पूरी कर ली जाएंगी। यह कदम आयोग द्वारा 4 मार्च, 2025 -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

घाटे में चल रहे सार्वजनिक सेवा उद्यमों की संख्या बढ़कर 17 हुई

2022-23 में 195.37 करोड़ रुपए का हुआ नुकसान : कैग

गुवाहाटी। घाटे में चल रहे राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (एसपीएसईएस) की संख्या 2021-22 में 11 से बढ़कर 2022-23 में 17 हो गई और 2022-23 में कुल घाटे का 89 प्रतिशत हिस्सा असम राज्य परिवहन निगम और असम पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एपीएल) का था। शुक्रवार को राज्य विधानसभा में पेश की गई कैग रिपोर्ट के अनुसार, 2022-23 में 15 कंपनियों और दो निगमों का कुल घाटा 195.37 करोड़ रुपए था। एएसटीसी को सबसे अधिक 106.53 करोड़ रुपए का घाटा हुआ, जिसका मुख्य कारण इसका परिचालन और गैर-परिचालन राजस्व 2021-22 में 165.05 करोड़ रुपए से घटकर 2022-23 में 80.20 करोड़ रुपए रह जाना था। एपीएल को 67.36 करोड़ रुपए का घाटा हुआ, जिसका मुख्य कारण प्राकृतिक गैस की खरीद कीमत में वृद्धि और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मेथनॉल की बिक्री कीमत में गिरावट है। नतीजतन, एपीएल द्वारा खपत की गई इनपुट सामग्री की लागत 28.97 करोड़ रुपए से बढ़कर 96.14 करोड़ रुपए हो गई। वर्ष 2022-23 के दौरान घाटे में चल रहे छह एस.पी.एस.ई. को इक्विटी, ऋण और अनुदान के माध्यम से 454.02 करोड़ रुपए की बजटीय सहायता प्राप्त हुई। इसमें से 380.13 करोड़ रुपए कर्मचारियों के वेतन संबंधी व्यय के लिए थे। पांच कम्पनियों - असम बीज निगम लिमिटेड, असम प्लांटेशन क्रॉप डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, असम लघु उद्योग विकास निगम लिमिटेड, असम राज्य उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड तथा असम सरकार विपणन निगम लिमिटेड के कर्मचारी व्यय को उनके टर्नओवर से पूरा नहीं किया जा सका, जबकि शेष आठ एसपीएसईएस का टर्नओवर, जिसमें शून्य टर्नओवर वाली तीन एसपीएसईएस भी शामिल हैं, उनके कर्मचारी व्यय को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं था। सीएजी लेखापरीक्षा में यह भी पाया गया कि 14 कार्यरत राज्य विद्युत वितरण कंपनियों (एस.पी.एस.ई.) में से किसी के पास भी, जिनके संचित घाटे ने उनकी इक्विटी पूंजी को पूरी तरह से समाप्त कर दिया था।

नागपुर हिंसा के आरोपियों से नुकसान भरपाई वसूली जाएगी : मुख्यमंत्री

मुंबई (हि.स.)। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को नागपुर में कहा कि यहां हुई हिंसा के आरोपियों नुकसान की भरपाई वसूली जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंसा मामले में अब तक 104 आरोपियों को नामजद किया गया है, इनमें से 92 को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके बाद इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कठोर से कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को नागपुर में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक की। बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि इस घटना के चार से पांच घंटे के भीतर दंगों पर नियंत्रण पा लिया। इसके लिए आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया गया। इसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने दंगे के सीसीटीवी फुटेज और लोगों द्वारा अपने मोबाइल फोन पर बनाए गए वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की। अब तक 104 आरोपियों की पहचान की जा चुकी है। इनमें से 92 को गिरफ्तार कर लिया गया है। चूंकि 12 लोग नाबालिग हैं, इसलिए उनके खिलाफ विधि संघर्ष अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में अभी भी पुलिस कुछ और लोगों को गिरफ्तार करने वाली है। पुलिस हिंसा करने वाले या उनकी मदद करने वाले किसी भी व्यक्ति को छोड़ेगी नहीं, सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया ट्रैकिंग के जरिए हिंसा भड़काने वालों को भी सह-आरोपित बनाया जाएगा। अब तक कुल 68 पोस्ट हटा दी गई हैं और कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि भड़काऊ पॉडकास्ट बनाने और अफवाह फैलाने वाले सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि जिन लोगों को नुकसान हुआ है और जिनकी गाड़ियां खराब हो गई हैं, उन्हें अगले तीन-चार दिनों में मुआवजा मिल जाएगा। नागपुर में कर्फ्यू के कारण लगाए गए प्रतिबंधों से सार्वजनिक जीवन और व्यापार प्रभावित हुआ है। अब जबकि माहौल शांत है, स्थिति को सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक यह कहना संभव नहीं है कि नागपुर हिंसा की जड़ें बांग्लादेश से जुड़ी थीं या नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना में किसी भी महिला पुलिसकर्मी के साथ छेड़छाड़ नहीं हुई है, हां महिला पुलिसकर्मी पर हमला किया गया था।

CONSULTATION WITH APOLLO EXPERTS
Apollo HOSPITALS
NEPHROLOGY CLINIC
DR VENKATESH RAJKUMAR
MD (Gen Medicine), DM (Nephrology) FISN(Interventions)
visiting GUWAHATI on 6th April'2025
Consultation for Urinary incontinence, bladder problems high level of urea & Creatinine, Chronic Renal failure, Kidney problems
APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
Apollo HOSPITALS
GENERAL SURGEON
DR.R.VENKATASUBRAMANIAN MS.,DNB,MNAMS,MRCS, FNB(laparoscopicSurgery)
Will be available only for consultation at Guwahati
ON 6th April'2025
Patients suffering from Jaundice,Ulcers,Burning Sensation in the stomach, Liver Problem, Gallbladder Stone, Blood vomitting, Blood in motion & requring surgery/ Laproscopic Surgery may register their names in advance.
APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

रीजनल कॉलेज ऑफ हेल्थ साइंस का स्वागत एवं पुरस्कार समारोह आयोजित

गुवाहाटी। महानगर के नालापाड़ा स्थित रीजनल कॉलेज ऑफ हेल्थ साइंस (आरसीएचएस) पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी स्वागत समारोह एवं पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख शिक्षाविद पद्मपाणि महंत, रीपंच के पूर्व निदेशक एनएन शर्मा, गिरिजानंद चौधरी विश्वविद्यालय की स्कूल प्रमुख विद्या श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार पराग मणि आदित्य और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। बैठक में संस्थान के छात्र भी शामिल हुए। बैठक के शुभारंभ से पहले शिक्षा संस्थान के पूर्व छात्र-छात्राओं ने तैयार किए गए पेथोप्रेश नामक दीवाल मैगजीन का भी विमोचन किया। बैठक में निदेशक बुबुल कलिता और प्रबंध निदेशक अक्षय चंद्र डेका, वरिष्ठ फोटो पत्रकार पंकज डेका उपस्थित थे।

शिक्षा के साथ संस्कार और अनुशासन महत्वपूर्ण : सत्येंद्र सिंह

कानपुर (हिंस)। शिक्षा के साथ संस्कार और अनुशासन महत्वपूर्ण है। मानवीय गुणों को आत्मसात करने से ही व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। छात्र-छात्राएं अपने माता-पिता तथा गुरू का सदा सम्मान करें। उनके आशीर्वाद से निरन्तर उन्नति को प्राप्त करते जायेंगे। यह बातें शनिवार को बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्येंद्र सिंह ने कही। बेनाझाबर स्थित बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इण्टर कॉलेज में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत न्यायाधीश अखिलेश कुमार तिवारी एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्येंद्र सिंह द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के 125 से अधिक विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। उन्होंने विद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि इस विद्यालय के विद्यार्थी भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को समाज में स्थापित कर अच्छे समाज का निर्माण करेंगे। विद्यालय ही नहीं देश का भी गौरव बढ़ाएंगे। विद्यार्थियों को सदैव अपने लक्ष्य पर फोकस करना चाहिए, लक्ष्य तय करने से पहले भली भांति विचार करना चाहिए और फिर लक्ष्य प्राप्त करने के लिए जी-जान से जुट जाना चाहिए।

पृष्ठ एक का शेष

प्लांट की वित्तीय ...

पूरे हुए हैं। क्षेत्र के लिए इसके रणनीतिक महत्व के बावजूद, वित्तीय स्थिरता एक गंभीर मुद्दा बनी हुई है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना असम में *इज ऑफ डूइंग बिजनेस* को मजबूत करने के साथ-साथ यहां के विश्व स्तरीय कुशल कार्यबल की क्षमता को भी दर्शाती है। डॉ शर्मा ने बीसीपीएल प्रबंधन और कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि यह संयंत्र न केवल राज्य के आर्थिक विकास में योगदान दे रहा है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न कर रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में बीसीपीएल अपनी उत्पादन क्षमता और बढ़ाएगा तथा राज्य के औद्योगिक परिदृश्य को और सशक्त बनाएगा। उल्लेखनीय है कि बीसीपीएल परियोजना को असम गैस क्रैकर परियोजना के रूप में भी जाना जाता है, जो पूर्वोत्तर भारत में पेट्रोकेमिकल क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी। यह संयंत्र राज्य में पेट्रोकेमिकल उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र बन चुका है और औद्योगिक क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने में सहायक साबित हो रहा है। बीसीपीएल विभिन्न प्रकार के पेट्रोरसायन उत्पादों का उत्पादन करता है, जिनमें लीनियर लो-डेंसिटी पॉलीइथिलीन (एलएलडीपीई), पॉलीप्रोपाइलीन (पीपी) और हाई-डेंसिटी पॉलीइथिलीन (एचडीपीई) शामिल हैं, तथा फीडस्टॉक के रूप में प्राकृतिक गैस और नेफ्था का उपयोग करता है।

मणिपुर में जल्द ...

पहाड़ियों में रहने वाले कुकी-जो समूहों के बीच शुरू हुई हिंसक झड़पों के बाद से वहां शरण ले रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश और नालसा के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति बी.आर. गवई ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए भारतीय संविधान के महत्व पर प्रकाश डाला, जो एक एकीकृत शक्ति है तथा सभी नागरिकों के लिए न्याय और समानता सुनिश्चित करता है। शांति की आशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि सुंदर मणिपुर राज्य में शांति लौटेगी और मजबूत संविधान न्याय सुनिश्चित करेगा। प्रतिनिधिमंडल ने चुराचांदपुर के मिनी सचिवालय स्थित बहुउद्देशीय हॉल से विधिक सेवा शिविर, चिकित्सा शिविर और विधिक सहायता क्लीनिक का वर्चुअल उद्घाटन भी किया। बाद में, उन्होंने बिष्णुपुर में मोइरांग कॉलेज राहत शिविर का दौरा किया और जरूरतमंद लोगों को आवश्यक राहत सामग्री वितरित की। मणिपुर में कानून और व्यवस्था की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर प्रतिनिधिमंडल के एक सदस्य ने कहा कि उन्हें प्रेस से बात करने का अधिकार नहीं है, उन्होंने कहा कि हमें जो कुछ भी कहना था, हम बैठक में पहले ही कह चुके हैं। उल्लेखनीय है कि चूड़ाचांदपुर में न्यायाधीशों का दौरा एक ऐसे समय में हुआ जब राहत शिविर में एक दुखद घटना घटी, जहां 20 मार्च को नौ साल की एक लड़की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। गुरुवार शाम 6:30 बजे से बच्ची शिविर से लापता बताई गई थी। बाद में उसकी गर्दन पर चोट के निशान और पास में खून के धब्बे के साथ शव मिला, जिससे संदिग्ध गतिविधि की आशंका बढ़ गई। पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि उन्होंने पूछताछ के लिए 15 लोगों को हिरासत में लिया है, और एक प्रमुख संदिग्ध की पहचान जोमी काउंसिल के अध्यक्ष वुमसुआन नौलक के रूप में की गई है। मृतक के माता-पिता, जोमी मदर्स एसोसिएशन और अन्य नागरिक समाज संगठनों का आरोप है कि लड़की की हत्या की गई है। पुलिस ने पॉस्को अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। इस बीच, कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने मणिपुर में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की उपस्थिति को *अच्छी बात* बताया, लेकिन संकट पर सरकार की देरी से प्रतिक्रिया की आलोचना की। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभी तक मणिपुर का दौरा क्यों नहीं किया है और हिंसा प्रभावित राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने में हो रही देरी पर चिंता जताई।

भारत जगत गुरु बनने ...

आलोक में पर विभिन्न आयामों में प्रकाश डाला, भारत की एकता और पुनरुत्थान के परिप्रेक्ष्य में मनोवृत्ति एवं संयम की विभिन्न अवधारणाओं को लेते हुए बताया कि भारत जगत गुरु बनने की दिशा की ओर अग्रसर हो रहा है। कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत श्रीअरविंद सोसायटी अयोध्या केंद्र की चेयरपर्सन डॉ. मीनू दुबे ने किया। उद्घाटन सत्र के प्रारंभ में श्रीअरविंद सोसायटी, उत्तर प्रदेश उत्तराखंड राज्य समिति के चेयरमैन विष्णु गोयल के उद्बोधन के साथ हुआ। गोयल ने संगठन के प्रारूप की चर्चा करते हुए संगठन के विस्तार के महत्व को बताया और महर्षि अरविंद एवं श्री मां के द्वारा मानव जगत के आध्यात्मिक उत्थान के लिए उनके द्वारा किए गए योगदान की चर्चा की। तदुपरांत मथुरा केंद्र तथा संस्था की संस्था की स्मारिका *श्रीरामचंद्रिका* के संपादक अनिल बाजपेई ने अपने अभिभाषण में बीते वर्षों में विभिन्न धार्मिक स्थलों पर हुए समिति के अधिवेशनों के अनुभवों को साझा करते हुए इस विरासत को आगे बढ़ने का आग्रह लोगों से किया। समिति की प्रदेश कार्यकारिणी की अनिता बंसल, कीर्ति, आर डी तिवारी एवं सीमा ने सभी आए हुए प्रतिनिधियों का लोगों से परिचय कराया एवं अधिवेशन के उद्देश्यों एवं उनकी उपयोगिता को रेखांकित किया। विषय प्रवर्तन डॉक्टर जे पी सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रति अरविंद सोसायटी उत्तर प्रदेश उत्तराखंड की सचिव अनिता बंसल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश दिव्यम् द्वारा किया गया। राजा मोहन गर्ल्स पी जी कॉलेज की छात्राओं द्वारा रंगोली एव राष्ट्र गान प्रस्तुत किया गया है।

मेघालय के सीएम ...

हुए, विशेष रूप से सीमावर्ती शहर बर्नीहाट में, मैंने असम के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर प्रयासों के समन्वय के लिए एक संयुक्त समिति गठित करने के लिए कहा है। यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब दोनों राज्य बर्नीहाट में बिगड़ती पर्यावरणीय स्थिति से स्वतंत्र रूप से जूझ रहे हैं। असम प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने हाल ही में अपने क्षेत्र के उद्योगों को चेतावनी जारी की है, जिसमें पर्यावरण मानदंडों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों को बंद करने की धमकी दी गई है। मेघालय की ओर, वरिष्ठ वैज्ञानिक एस स्वर के नेतृत्व में मेघालय राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमएसपीसीबी) के एक टास्क फोर्स ने औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण किया, जिसमें प्रदूषण नियंत्रण उपायों का महत्वपूर्ण गैर-अनुपालन पाया गया। एमएसपीसीबी के सदस्य सचिव जीएच चिरमंग ने चिंता व्यक्त की कि कई कारखाने केवल सरकारी निरीक्षण के दौरान ही प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों (पीसीडी) का संचालन करते हैं, जिससे ये उपाय अप्रभावी हो जाते हैं। चिरमंग ने कहा कि कई कारखाने उत्सर्जन को कम करने के लिए लगातार प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों का उपयोग नहीं करते हैं। पीसीडी का उपयोग केवल तभी होता है जब सरकारी निरीक्षण दल मौजूद होते हैं, जो पर्याप्त नहीं है। प्रयासों को तेज करने के लिए, सांग्मा ने आश्वासन दिया कि मेघालय की ओर की सभी औद्योगिक इकाइयों का व्यापक पर्यावरणीय ऑडिट *समयबद्ध तरीके से और नियमित आधार पर* किया जाएगा। एमएसपीसीबी को स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 26 मार्च से पहले राज्य सरकार को एक विस्तृत ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। संयुक्त समिति की स्थापना को बर्नीहाट में सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण को खतरा पहुंचाने वाले गंभीर प्रदूषण स्तर से निपटने के लिए समन्वित निगरानी, विनियमन और कार्रवाई सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। यदि असम द्वारा इसे स्वीकार कर लिया जाता है, तो यह सहयोगात्मक प्रयास सीमावर्ती शहर में औद्योगिक प्रदूषण के प्रबंधन के लिए अधिक प्रभावी, सतत दृष्टिकोण का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

एचसी ने तीन साल ...

भी आदेश दिया है कि आरोप पत्र निचली अदालत में प्रस्तुत किया जाए, जो कानून के अनुसार तथा अपनी समय-सीमा के अनुसार शीघ्रता से कार्यवाही करेगी। बीरेंद्र पंडित द्वारा दायर रिट याचिका का निपटारा करते हुए दिए गए फैसले में कहा गया कि ट्रायल कोर्ट कानून के अनुसार और अदालत के कामकाज की अनुमति के अनुसार शीघ्रता से मुकदमे को आगे बढ़ाएगा। यह मामला एक पुलिस प्रशिक्षु की मौत के इर्द-गिर्द घूमता है, जो 9 मार्च, 2022 को नेपा में एक स्विमिंग पूल में कथित तौर पर डूब गया था। प्रारंभिक रिपोर्टों में मौत का कारण डूबने को बताया गया है, लेकिन पीड़ित के परिवार ने इस दावे का विरोध किया है। परिवार द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, घटना के समय पीड़िता के पास 29 पुलिसकर्मी मौजूद थे, जिससे दुर्घटनावश डूबने की आशंका पैदा हो गई है। न्याय की मांग करते हुए, परिवार ने आरोपियों की पहचान करने, आरोप तय करने और त्वरित सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए गहन जांच के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया। इस बीच, मेघालय पुलिस ने पुष्टि की कि आपराधिक मामला दर्ज होने के बाद भी जांच जारी है। उल्लेखनीय है कि 2022 की घटना के एक महीने बाद, 178 महिला उप-निरीक्षकों सहित 578 असम पुलिस प्रशिक्षु अधिकारियों ने बुनियादी पाठ्यक्रम के 50वें बैच को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद नेपा से स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

सीएम ने बिहार दिवस पर ...

अनुरूप है। तिनसुकिया में बिहार दिवस मनाने को लेकर विवाद हुआ था, जो पूर्वी असम का एक जिला है, जिसमें हिंदी भाषी आबादी काफी है और यह एक व्यावसायिक केंद्र है। भाजपा सूत्रों ने बताया कि बिहार दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कुछ प्रारंभिक बातचीत हुई थी, लेकिन पार्टी ने आधिकारिक तौर पर किसी कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है। ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन समेत कई संगठनों और रायजोर दल और एआईयूडीएफ जैसे राजनीतिक दलों ने इस तरह के कार्यक्रम की जरूरत पर सवाल उठाए हैं। इन संगठनों ने एक राजनीतिक दल द्वारा दूसरे राज्य का स्थापना दिवस यहां आयोजित करने के *तर्कसंगत* पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया था कि यह चुनावी फायदे के लिए किया जा रहा है। शर्मा ने दूसरे राज्यों के स्थापना दिवस मनाने का बचाव करते हुए कहा था कि दूसरे राज्यों में भी हर साल 2 दिसंबर को राज्यपालों की मौजूदगी में *असम दिवस* मनाया जाता है। उन्होंने यहां बिहार दिवस मनाने पर आपत्ति को निराधार बताया और आगाह किया कि इससे सांप्रदायिक तनाव पैदा हो सकता है और राज्य से बाहर रहने वाले असमिया लोगों को इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

प्रदेश अध्यक्ष ने जनता...

कोशिश की, लेकिन मार्शलों ने उन्हें रोक दिया। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने पत्र में लिखा, भाजपा के एक सदस्य के रूप में, हम एक वरिष्ठ राजनीतिज्ञ से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद नहीं करते। भाजपा एक अनुशासित और सहनशील पार्टी है, जो अपने सिद्धांतों और मूल्यों पर दृढ़ता से कायम है, लेकिन कुर्मी का व्यवहार पार्टी की विचारधारा और मर्यादा के खिलाफ था। सैकिया ने कुर्मी को भविष्य में इस तरह की घटना न दोहराने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि इसी के साथ, हम आपको असम की जनता से इस मामले को लेकर माफी मांगने का निर्देश देते हैं। गौरतलब है कि कुर्मी पहले ही विधानसभा में अपने व्यवहार के लिए माफी मांग चुके हैं। पूर्व में कांग्रेस के नेता रहे कुर्मी 2006 से मरियानी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और 2021 में भाजपा में शामिल हुए थे।

परिसीमन में लोकसभा सीटें ...

समिति की बैठक हुई। इसमें कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, ओडिशा के पूर्व मंत्री संजय कुमार दास और अन्य उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री स्टालिन ने पुनर्गठन के खिलाफ संयुक्त समिति की बैठक में कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भारत के सभी वर्गों ने भाग लिया था। उनके संघर्ष के माध्यम से ही देश को आजादी प्राप्त हुई। इस बात को समझते हुए, भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने वाले बुद्धिजीवियों ने भारत को एक संघीय संघ का रूप दिया। यद्यपि इस संघीय प्रणाली का विभिन्न समयों पर परीक्षण किया गया है, लेकिन लोकतांत्रिक संगठनों और आंदोलनों ने इसका विरोध किया है। अब ऐसे परीक्षण का खतरा आ गया है। उन्होंने कहा कि हम सभी इसी बात को ध्यान में रखकर यहां एकत्र हुए हैं। मेरे लिए यह दिन भारतीय संघ को संरक्षित रखने के इतिहास में एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन के रूप में दर्ज होगा। भविष्य की जनगणना के आधार पर किए जाने वाले जनसंख्या-आधारित निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठन का हमारे जैसे राज्यों पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। हमारे जैसे राज्य, जिन्होंने विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के माध्यम से अपनी जनसंख्या को नियंत्रित किया है। लेकिन इसके आधार पर लोकसभा की सीटें नहीं खोने देंगे। स्टालिन ने कहा कि हमारे लिए कानून हमारी सहमति के बिना बनाये जाते हैं। हमारे लोगों को प्रभावित करने वाले निर्णय उन लोगों द्वारा लिए जाते हैं जो हमें नहीं जानते। महिलाओं को सशक्तीकरण में असफलताओं का सामना करना पड़ता है, विद्यार्थी महत्वपूर्ण अवसरों से वंचित रह जाते हैं तथा किसान बिना किसी सहायता के पीछे छूट जाते हैं। हमारी संस्कृति, पहचान और प्रगति खतरे में है। उन्होंने कहा कि यदि जनसंख्या के आधार पर संसदीय सीटों का पुनर्वितरण किया गया तो तमिलनाडु को आठ सीटों का नुकसान होगा। यदि संसद में सीटों की कुल संख्या बढ़ाई गई तो तमिलनाडु को 12 सीटों का नुकसान होगा, जो हमारे राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर सीधा आघात होगा।

सारंडा में हमला...

संयुक्त अभियान दल गठित कर लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है। इनके संबंध में विश्वस्त सूचना प्राप्त होने के आलोक में 4 मार्च से एक विशेष संयुक्त अभियान छोटानागरा एवं जराईकेला थाना के सीमावर्ती जंगली पहाड़ी क्षेत्र में प्रारंभ किया गया है। अभियान के दौरान शनिवार को समय लगभग 02.30 से 02.45 बजे अपराह्न के बीच छोटानागरा थानांतर्गत वनग्राम मरांगपोंगा के आस-पास जंगली पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाए गए आईईडी को विस्फोट किया गया। जिसकी चपेट में आने से सीआरपीएफ 193 बटालियन के एसआई, जीडी सुनील कुमार मंडल एवं एचसी, जीडी पार्थ प्रतिम डे जख्मी हो गए। उक्त जख्मी पदाधिकारी कर्मी की स्थिति स्थिर है। पुलिस बल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस मुख्यालय, झारखंड, रांची एवं सीआरपीएफ झारखंड सेक्टर, झारखंड रांची के सहयोग से हेलीकॉप्टर के माध्यम से तत्काल प्राथमिकी उपचार के पश्चात उक्त जख्मी पदाधिकारी और कर्मी को उच्चत्तर इलाज के लिए रांची भेजा गया है। संचालित नक्सल विरोधी अभियान जारी है।

संघ ने बांग्लादेश के ...

और कार्रवाई की आवश्यकता हो सकती है। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा द्वारा बांग्लादेश के हिंदू समाज के साथ एकजुटता से खड़े रहने का आह्वान शीर्षक वाले प्रस्ताव पर उन्होंने कहा कि संघ बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों के हाथों हिंदू समाज विशेष रूप से अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति पर बढ़ती हिंसा, उत्पीड़न और लक्षित उत्पीड़न पर गहरी चिंता व्यक्त करता है। बांग्लादेश की स्थिति पर अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा द्वारा पारित प्रस्ताव में धार्मिक संस्थानों पर व्यवस्थित हमलों, क्रूर हत्याओं, जबरन धर्मांतरण और हिंदुओं की संपत्तियों को नष्ट करने का आह्वान किया गया। बयान में कहा गया कि हिंसा के चक्र ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर दिया है। प्रतिनिधि सभा के प्रस्ताव में धार्मिक असहिष्णुता और मानवाधिकारों के उल्लंघन के इन कृत्यों की कड़ी निंदा की गई है और वैश्विक समुदाय से निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। अरुण कुमार ने कहा कि मठ-मंदिरों पर हमले, देवी-देवताओं की अपवित्रता, संपत्तियों की लूट और जबरन धर्म परिवर्तन निंदनीय है, लेकिन संस्थागत उदासीनता और सरकारी निष्क्रियता के कारण इन अपराधों के अपराधियों का हौसला बढ़ गया है। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदू आबादी में लगातार हो रही गिरावट पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 1951 में 22 प्रतिशत से आज सिर्फ 7.95 प्रतिशत रह गई है। यह इस संकट की गंभीरता को दर्शाता है। हिंदुओं का ऐतिहासिक उत्पीड़न, खास तौर पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के बीच एक सतत मुद्दा बना हुआ है। हालांकि, पिछले साल संगठित हिंसा का स्तर और सरकार की निष्क्रिय प्रतिक्रिया बेहद चिंताजनक है। अरुण कुमार ने कहा कि प्रतिनिधि सभा बांग्लादेश में बढ़ती भारत विरोधी बयानबाजी के बारे में भी चिंता जताती है, जो दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक रूप से गहरे संबंधों को प्रभावित करने का खतरा पैदा करती है। प्रस्ताव में पाकिस्तान और डीप-स्टेट तत्वों सहित अंतर्राष्ट्रीय ताकतों के हस्तक्षेप की चेतावनी दी गई है, जो सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा देकर और अविश्वास को बढ़ावा देकर इस क्षेत्र को अस्थिर करना चाहते हैं। प्रस्ताव में इस बात पर जोर दिया गया है कि भारत और उसके पड़ोसी देश एक समान सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत साझा करते हैं और क्षेत्र के एक हिस्से में किसी भी तरह का सांप्रदायिक विवाद पूरे उपमहाद्वीप को प्रभावित करता है। परिसीमन के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि जो लोग इस मुद्दे को उठा रहे हैं, उनसे पूछा जाना चाहिए कि क्या उनका कोई राजनीतिक एजेंडा है या वे वाकई जन कल्याण के बारे में सोच रहे हैं।

ईआरओ, डीईओ, सीईओ ...

को आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली में आयोजित सभी राज्यों/संघ राज्य-क्षेत्रों के सीईओ और प्रत्येक राज्य से एक डीईओ और ईआरओ की भागीदारी वाले सम्मेलन के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में तथा निर्वाचन आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधु और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में दिए गए निदेशों के अनुरूप है। राजनीतिक दलों और उनके अधिकृत प्रतिनिधियों जैसे बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए), पोलिंग एजेंटों, काउंटिंग एजेंटों और चुनाव एजेंटों की चुनाव संचालन सहित विभिन्न चुनावी प्रक्रियाओं में विशिष्ट भूमिकाएं होती हैं। विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों, जिलों और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में आयोजित बैठकों में सक्रिय रूप से और उत्साहपूर्वक भाग लेकर राजनीतिक दलों द्वारा जमीनी स्तर पर उनकी इस प्रकार की भागीदारी का स्वागत किया गया है। आयोग सभी राष्ट्रीय/राज्यीय राजनीतिक दलों से अपील करता है कि वे किसी भी लंबित मुद्दे को समयबद्ध तरीके से हल करने के लिए चुनाव अधिकारियों के साथ अपनी इस जमीनी स्तर की भागीदारी का सक्रियतापूर्वक लाभ उठाएं।

बहादुरगढ़ में दो धमाकों ...

रूप से घायल हो गया। मृतकों में दो बच्चे, एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं। घायल की हालत नाजुक बनी हुई है। यह परिवार इस घर में किराये पर रह रहा था। मकान मालिक रोहतक में रहते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाम के समय अचानक घर में दो तेज धमाके हुए, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। धमाकों के बाद आग लग गई और चारों तरफ धुआं फैल गया। आसपास के लोग जब मौके पर पहुंचे तो घर का मेन गेट अंदर से बंद था। दीवारों पर कंटीले तार लगे होने के कारण रेस्क्यू में काफी दिक्कत हुई। घर के सभी कमरों के दरवाजे भी लॉक थे, जिससे बचाव कार्य में देरी हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पहले सिलेंडर फटने का अनुमान लगाया गया, लेकिन बाद में एयर कंडीशनर के कंप्रेशर के फटने की चर्चा भी सामने आई। हालांकि, पुलिस ने अभी तक धमाके के पीछे की वास्तविक वजह की पुष्टि नहीं की है। डीसीपी मयंक मिश्रा ने बताया कि घटनास्थल की फॉरेंसिक जांच जारी है।

हिंदी के साहित्यकार ...

परिषद की बैठक में निर्णय लिया गया कि वर्ष 2024 के लिए 59वां ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रतिष्ठित हिंदी साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को प्रदान किया जाएगा। बैठक में चयन समिति के अन्य सदस्य माधव कौशिक, दामोदर मावजी, प्रभा वर्मा, डॉ अनामिका, डॉ. ए. कृष्णा राव, प्रफ्फुल शिलेदार, डॉ जानकी प्रसाद शर्मा और ज्ञानपीठ के निदेशक मधुसूदन आनंद शामिल थे। यह सम्मान उन्हें हिंदी साहित्य में उनके अद्वितीय योगदान, सृजनात्मकता और विशिष्ट लेखन शैली के लिए प्रदान किया जा रहा है। यह हिंदी के 12वें साहित्यकार है जिन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। विनोद कुमार शुक्ल (जन्म 01 जनवरी 1937) हिंदी शाहित्य के एक प्रतिष्ठित लेखक, कवि और उपन्यासकार हैं। उनका लेखन सरल भाषा, गहरी संवेदनशीलता और अद्वितीय शैली के लिए जाना जाता है। वे मुख्य रूप से आधुनिक हिंदी साहित्य में प्रयोगधमी लेखन के लिए प्रसिद्ध हैं। विनोद कुमार शुक्ल की पहली कविता पुस्तिका वर्ष 1971 में लगभग जयहिंद शीर्षक से प्रकाशित हुई थी। उनके प्रमुख उपन्यासों में नौकर की कमीज, दीवार में एक खिड़की रहती थी, और खिलेगा तो देखेंगे शामिल है। उनकी कविताएं और कहानियां आम जीवन की बारीकियों को सहज भाषा में प्रस्तुत करती हैं। उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार और अन्य प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया है। उनका लेखन आम आदमी की भावनाओं, उसकी रोजमर्रा की जिंदगी और समाज की जटिलताओं को खूबसूरती से व्यक्त करता है। हिंदी साहित्य प्रेमियों और सपूर्ण साहित्य जगत के लिए यह हर्ष और गर्व का विषय है कि विनोद कुमार शुक्ल को यह सम्मान प्रदान किया जा रहा है। यह पुरस्कार उनकी साहित्यिक साधना और सृजनशीलता का सम्मान है जिससे हिंदी साहित्य को नई ऊंचाइयां मिली है।

विपक्ष ने सांसद त्रिवेदी के बयान को गलत तरीके से पेश किया : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्ष पर राज्यसभा में भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने कहा कि विपक्ष जानबूझकर बयान के संदर्भ को नजरअंदाज कर जनता को गुमराह करने की राजनीति कर रहा है। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता मनोज बरुवा ने शनिवार को आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि असम में विशेषकर कुछ जिलों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन एक अटल सत्य है। उन्होंने कहा कि 20वीं सदी की शुरुआत से ही पूर्वी बंगाल से होने वाले अनियंत्रित प्रबजन ने असम के कई जिलों की जनसंख्या संरचना को पूरी तरह बदल दिया है। बरुवा ने कहा कि इस बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र पूर्ववर्ती ग्वालपाड़ा जिला (वर्तमान में धुबड़ी जिला) है, जहां से कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन चुने गए हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि स्वतंत्रता-पूर्व और वर्तमान असम के जनसंख्या अध्ययन

सुरक्षा और स्थायित्व हमारी प्राथमिकता : भाजपा

से यह बड़ा बदलाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र में स्वदेशी समुदाय और अन्य मूल निवासी भारी प्रबजन के कारण अस्तित्व के गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। पिछले सौ वर्षों में आए इस बड़े बदलाव को लेकर स्थानीय लोग लगातार चिंता जताते रहे हैं और इसके दीर्घकालिक प्रभावों को पहचानते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि कोई भी सच्चा राष्ट्रभक्त इस तरह के अनियंत्रित और अवैध प्रबजन का समर्थन नहीं कर सकता। उन्होंने उन लोगों की आलोचना की जो राजनीतिक लाभ के लिए इस सच्चाई को कमकर आंकने की कोशिश कर रहे हैं और कहा कि ऐसे लोग स्वयं को कभी सच्चा राष्ट्रवादी नहीं कह सकते। मनोज बरुवा ने कहा कि विपक्ष चाहे जितनी भी नकारात्मक राजनीति करे, भाजपा इस प्रकार के भ्रामक आख्यानों का पुरजोर विरोध जारी रखेगी। उन्होंने दोहराया कि असम के स्वदेशी और भारतीय मूल के नागरिकों की सुरक्षा और भविष्य सुनिश्चित करना पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता है और भाजपा इस लक्ष्य के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेगी, चाहे विपक्ष कितनी भी बाधाएं उत्पन्न करे।

असम में कानून व्यवस्था की स्थिति में हुआ सुधार : मुख्यमंत्री

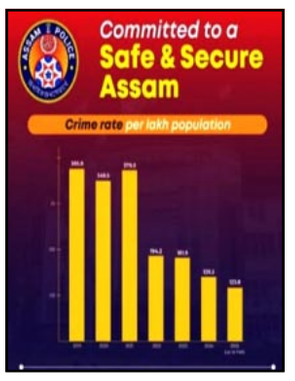

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य में हाल के वर्षों में समग्र कानून-व्यवस्था की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि अपराध दर में गिरावट आई है और दोषसिद्धि दर बढ़ी है। 2025 की शुरुआत भी सकारात्मक रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष असम पुलिस इन आंकड़ों को और बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत रहेगी।

असम के सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्राप्तकर्ताओं को मुफ्त आवास की सुविधा

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने राज्य के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार-असम बैभव, असम सौरभ और असम गौरव-प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को विशेष सुविधा देने की घोषणा की है। अब इन पुरस्कार विजेताओं को असम भवन, असम हाउस और सर्किट हाउस में अधिकतम 15 दिनों तक निःशुल्क आवास की सुविधा मिलेगी, बशर्ते कि वे पहले से इसकी सूचना दें। सरकारी सूत्रों के अनुसार, यह पहल उन गणमान्य व्यक्तियों के प्रति सम्मान व्यक्त करने और उन्हें राज्य सरकार द्वारा दी गई प्रतिष्ठा को मूर्त रूप देने का प्रयास है। इस नई सुविधा का लाभ लेने के लिए पुरस्कार विजेताओं को अपनी यात्रा की पूर्व सूचना संबंधित अधिकारियों को देनी होगी, जिससे आवास की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। राज्य सरकार की इस घोषणा को व्यापक रूप से सराहा जा रहा है, क्योंकि इससे असम के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को न केवल राज्य के भीतर, बल्कि अन्य स्थानों पर भी यात्रा के दौरान सहूलियत मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में सरकार द्वारा यह निर्णय राज्य के प्रतिभाशाली और समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में उठाया गया एक और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि असम बैभव, असम सौरभ और असम गौरव पुरस्कार राज्य सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रदान किए जाते हैं। इन पुरस्कारों से सम्मानित व्यक्ति असम की सांस्कृतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राज्य के बारेकुरी गांव में होलौ बंदरों के संरक्षण का अनूठा उदाहरण

तिनसुकिया (हिंस)। असम के तिनसुकिया जिले के बारेकुरी गांव में होलौ बंदरों (होलोक गिब्बोन) के संरक्षण और उनके साथ सह-अस्तित्व का बेहतरीन उदाहरण देखने को मिला। राज्य के जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने शनिवार को गांव का दौरा कर इन दुर्लभ प्राणियों को करीब से देखा और उनके प्रति गांववासियों के प्रेम और संरक्षण के प्रयासों की सराहना की। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि होलौ बंदर असम की जैव-विविधता का एक अनमोल हिस्सा हैं। बारेकुरी के प्रकृति-प्रेमी ग्रामीण इन बंदरों को भोजन उपलब्ध कराते हैं और उनकी सुरक्षा व संरक्षण के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज मैंने इन बंदरों को केले खिलाकर बेहद खास अनुभव किया। मंत्री हजारिका ने यह भी याद दिलाया कि कुछ समय पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने *मन की बात* कार्यक्रम में बारेकुरी गांव के इस प्रयास की सराहना की थी। उन्होंने कहा कि हम सभी को बारेकुरी गांववासियों से प्रेरणा लेकर ऐसे दुर्लभ जीवों के संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। मैं ग्रामीणों को धन्यवाद देता हूं और उनसे अपील करता हूं कि वे भविष्य में भी वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील बने रहें।

कोकराझाड़ में परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए निषेधाज्ञा जारी

कोकराझाड़ (हिंस)। असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) में असिस्टेंट अकाउंट्स ऑफिसर के पद के लिए आयोजित एपीएससी स्क्रीनिंग टेस्ट के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए, जिला प्रशासन ने भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की है। परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने और लाउड स्पीकर या तेज आवाज में बजाने पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया है। ये प्रतिबंध रविवार को पूरे कोकराझाड़ जिले में लागू रहेंगे। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी-सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 1-30 बजे से शाम 4-30 बजे तक। यह परीक्षा कोकराझाड़ गवर्नमेंट कॉलेज और कोकराझाड़ गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में होगी। हालांकि, परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिस कर्मी, सेना और अर्धसैनिक बल, परीक्षा ड्यूटी में लगे अधिकारी और कर्मचारी तथा प्रतिबंधित क्षेत्र में स्थित दुकानों या व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर ये नियम लागू नहीं होंगे। शांति बनाए रखने और परीक्षा के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यह आदेश एकतरफा जारी किया गया है। यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू होगा और अगले निर्देश तक प्रभावी रहेगा। निषेधाज्ञा 23 मार्च, 2025 से लागू होगी।

अश्वक्लांत देवालय में आयोजित होगा अशोकाष्टमी उत्सव

गुवाहाटी (हिंस)। उत्तर गुवाहाटी के ऐतिहासिक और पवित्र महाविष्णु तीर्थ श्री श्री अश्वक्लांत देवालय में इस वर्ष भी श्रद्धा और आध्यात्मिक वातावरण में श्री श्री अशोकाष्टमी उत्सव का आयोजन किया जाएगा। भगवान विष्णु के पदचिह्नों और कई चमत्कारी कुंडों से घिरे इस देवालय में पवित्र अशोकाष्टमी उत्सव 4 अप्रैल की रात 1-30 बजे से 5 अप्रैल की रात 12 बजे तक आयोजित होगा। देवालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दलै लक्षेश्वर शर्मा के अनुसार, इस बार भी लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है, जिसके लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। भक्तों की सुविधा के लिए यात्रा आवास, प्रसाद वितरण और सुरक्षा की पूरी व्यवस्था की गई है।

गुवाहाटी में चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में अलग-अलग अभियानों में चोरी के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे चोरी के सामान बरामद किए गए। असम पुलिस के सीपीआरओ ने शनिवार को बताया कि बशिष्ठ पुलिस ने एक शिकायत पर कार्रवाई करते हुए चोरी के एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया। शिकायतकर्ता भार्गव बरुवा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोरों ने उनके घर में घुसकर दो टाइल-काटने की मशीनें और अन्य कीमती सामान चुरा लिया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी जाकिर हुसैन (25) को हथीगांव थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने चोरी का सामान खानापाड़ा स्थित असम काटा के पास एक कबाड़खाने में बेच दिया था। पुलिस ने कबाड़खाने के मालिक अजमल हक (44) के परिसर में तलाशी अभियान चलाया, जहां से चोरी का सामान बरामद किया गया। बरामद सामानों में छह नग पानी के नल तथ 6.400 किग्रा कॉपर वायर शामिल था। एक अन्य कार्रवाई में पानबाजार पुलिस ने दो अन्य चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ताजन अली (25 वर्ष) तथा जावेद खान (27 वर्ष) के रूप में हुई है। उनके पास से बरामद मोबाइल फोनों में एक पोको मोबाइल, एक ओप्पो मोबाइल तथा एक रेडमी 9 मोबाइल शामिल है।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की सिलचर में अष्टम कार्यकारिणी सभा आयोजित

सिलचर। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन का दो दिवसीय 17वां प्रांतीय अधिवेशन श्रेष्ठ पूर्वोत्तर नाम से मारवाड़ी सम्मेलन सिलचर और सिलचर महिला शाखा के अतिथ्य में रंगपुर में आयोजित हुआ। इसी के अंतर्गत प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने सर्वप्रथम सम्मेलन का ध्वजा रोहण किया। इस अवसर पर उनके साथ स्वागत अध्यक्ष बुद्धमल बैद, सिलचर शाखाध्यक्ष मूलचंद बैद, महिला शाखा अध्यक्ष सुंदरी देवी पटवा के अलावा समस्त प्रांतीय कार्यकारिणी पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर पूर्वोत्तर प्रांत से लगभग 300 प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। ध्वजारोहण के पश्चात प्रांतीय कार्यकारिणी की अष्टम सभा प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसका शुभारंभ प्रांतीय अध्यक्ष ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल, उपाध्यक्ष मुख्यालय रमेश चाडंक, महामंत्री विनोद लोहिया, कोषाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, संगठन मंत्री बिमल अग्रवाल, मंडलीय उपाध्यक्ष सुशील गोयल, स्वागत अध्यक्ष बुद्ध माला

बैद, सिलचर शाखा अध्यक्ष मूलचंद बैद सिलचर महिला शाखा अध्यक्ष सुंदरी देवी पटवा, समाजसेवी विमल गोलछा और महावीर जैन, प्रांतीय संयुक्त मंत्री मनोज काला, पंकज पोद्दार, अधिवेशन स्वागत मंत्री प्रदीप सुराना, सिलचर शाखा मंत्री पवन राठी, महिला शाखा मंत्री हीरा अग्रवाल, प्रांतीय मंडलीय उपाध्यक्ष महेश जैन, माखनलाल गट्टानी, छतरसिंह गिरिया, संजय गाड़ोदिया, सुशील गोलछा आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर कैलाश काबरा ने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन को घर-घर में पहुंचना मेरी जिम्मेदारी है और जब तक यह जिम्मेदारी में पूरी नहीं कर लूंगा तब तक में चैन से नहीं बैठूंगा। घर-घर सम्मेलन के नारे के साथ रोज नई-नई शाखायें का गठन भी हो रहा है अधिवेशन स्थल पर ही बदरपुर और लखीपुर शाखोंओ का गठन किया जाएगा।

मारवाड़ी युवा मंच, नगांव समृद्धि शाखा को कई प्रांतों से मिले कई पुरस्कार

सदस्याओं में खुशी की लहर

नगांव (निसं)। पुर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच का 17 वां प्रांतीय अधिवेशन बंगाईगांव शाखा एवं बंगाईगांव जागृति शाखा के आतिथ्य में दिनांक 18,19 एवं 20 मार्च को संपन्न हुआ। जिसमें नए अध्यक्ष के चुनाव के साथ कई महत्वपूर्ण सत्र भी आयोजित किए गए इस दौरान प्रांतीय एवं अध्यक्षीय पुरस्कारों का भी वितरण किया गया मारवाड़ी युवा मंच नगांव समृद्धि शाखा को प्रांत एवं मंडल की श्रेष्ठ महिला शाखा के पुरस्कार से नवाजा गया। साथ ही राष्ट्र द्वारा प्रेषित विशिष्ट शाखा का पुरस्कार भी समृद्धि शाखा को प्राप्त हुआ अग्रिम शुल्क प्रेषण पुरस्कार भी शाखा को प्राप्त हुआ। शाखा की अध्यक्ष ममता सिंघी एवं सचिव सपना पेड़ीवाल को मंडल की सर्वश्रेष्ठ महिला शाखा अध्यक्ष एवं सचिव का पुरस्कार प्राप्त हुआ। वही शाखा कोषाध्यक्ष मुस्कान जाजोदिया को मंडल की एवं पूरे प्रांत की महिला शाखा की सर्वश्रेष्ठ कोषाध्यक्ष के रूप में पुरस्कृत किया गया। इनके अलावा और भी कई पुरस्कार समृद्धि शाखा को प्राप्त हुए हैं। पुरस्कृत होने पर शाखा की सभी सदस्याओं में खुशी का माहौल है। यह जानकारी नगांव समृद्धि शाखा की जनसंपर्क अधिकारी पिंकी नागरका द्वारा प्रेषित की गई है।

पूप्रमायुम के 17वां प्रांतीय अधिवेशन में बंगाईगांव के प्रेमनाथ हरलालका एवं निर्मल बैद सम्मानित

बंगाईगांव। हाल ही में बंगाईगांव में आयोजित पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच (पूप्रमायुम) के 17वें प्रांतीय अधिवेशन के दौरान असम की दस बड़ी हस्तियों को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में बंगाईगांव समाज के दो समाजसेवियों को भी पुरस्कारों से नवाजा गया। बंगाईगांव के जाने-माने समाजसेवी तथा मारवाड़ी समाज के अभिभावक एवं कई सामाजिक, धार्मिक तथा शिक्षण संस्थाओं से जुड़े श्री प्रेमनाथ हरलालका को समाज के प्रति निरंतर समाज सेवा के लिए समाज गौरव पुरस्कार दिया गया। दूसरी तरफ मारवाड़ी युवा मंच, बंगाईगांव शाखा के वरिष्ठ तथा स्थाई आमंत्रित सदस्य निर्मल बैद को मारवाड़ी युवा मंच के प्रति सेवा भावना के लिए मंच गौरव पुरस्कार से नवाजा गया। ज्ञात हो कि निर्मल बैद करीबन 25 वर्षों से मारवाड़ी युवा मंच के माध्यम से समाज सेवा में

लगे हुए हैं तथा चार बार बंगाईगांव शाखा के अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके अलावा पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के वित्त समिति के सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं तथा गत चार वर्षों से बंगाईगांव शाखा में एवं तीन वर्षों से पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच में स्थाई आमंत्रित सदस्य के रूप में सक्रियता से जुड़े हुए हैं। पूप्रमायुम द्वारा इन दोनों समाज सेवकों को पुरस्कार से नवाजा जाने पर स्थानीय विभिन्न संगठनों ने अपनी प्रसन्नता जाहिर की है तथा दोनों को शुभकामनाएं प्रेषित की है। समाज सेवा एवं युवा मंच से जुड़े सरजीत सिंह भारी, पियुष सुराणा, संजू भंसाली ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बंगाईगांव के दोनों योग्य व्यक्तियों को पुरस्कार मिलना हमारे समाज एवं मंच के लिए गौरव की बात है।

आइकॉनिक व्हाइट ने रचा इतिहास

मुंबई। भारत की तीसरी सबसे बड़ी स्पिरिट कंपनी एबीडी ने अपनी आइकॉनिक व्हाइट के साथ नया मुकाम हासिल किया है। लांच के महज 344 दिनों में इस ब्रांड ने 50 लाख (5 मिलियन) केस की बिक्री पार कर ली है। सितंबर 2023 में लांच हुई इस प्रीमियम ब्रांड ने अपने आकर्षक डिजाइन और गुणवत्ता के दम पर तेजी से बाजार में पकड़ बनाई।

राष्ट्रीय अंकगणित चैंपियनशिप में राज्य के कक्षा 6 के यश आदित्य सैकिया ने मारी बाजी

गुवाहाटी। हाल ही में राष्ट्रीय अंकगणित चैंपियनशिप का आयोजन दुनिया के सबसे तेज मानव कैलकुलेटर, नीलकंठ भानु द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में 6,000 से अधिक छात्रों ने 750 शहरों से भाग लिया, जिसमें केवल 300 से अधिक छात्र ही फाइनल राउंड में पहुंच सके। इनमें असम पांजाबाड़ी, गुवाहाटी के कक्षा 6 के छात्र यश आदित्य सैकिया, उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विजेता बने। यश ने कहा कि जब मुझे पता चला कि मैं जीत गया हूं, तो मैं बेहद खुश और उत्साहित था। यह मेरी नियमित कक्षाओं में उपस्थिति और वर्कशीट्स पर अभ्यास का परिणाम था। इस प्रतियोगिता के बाद मुझे गणित समस्याओं को हल करने में अधिक आत्मविश्वास महसूस हुआ। यह केवल प्रतियोगिता के कारण नहीं था, बल्कि अब मुझे स्कूल में गणित से डर भी नहीं लगता। भांजू कक्षाओं का सबसे अच्छा हिस्सा यह है कि हम कक्षा के दौरान क्विज खेलते हैं, जिससे सीखने का अनुभव मजेदार हो जाता है। डॉ. ज्योति प्रसाद सैकिया, यश आदित्य सैकिया के पिता, ने अपने बेटे की इस उपलब्धि पर विचार साझा करते हुए कहा कि एक पिता के रूप में, मुझे अत्यधिक गर्व है कि मेरे बेटे ने राष्ट्रीय गणित प्रतियोगिता जीती। मैं बहुत खुश हूं कि वह अपने ग्रेड में चैंपियन बना। उन्होंने यह भी कहा कि यह आयोजन बहुत अच्छी तरह से आयोजित किया गया था, और यह स्पष्ट था कि कक्षाएं और शिक्षक अत्यधिक प्रशिक्षित थे, जो उनकी प्रत्येक कक्षा में दिखाई दिया। इस प्रतियोगिता का आयोजन भांजू द्वारा किया गया था, जो एक वैश्विक गणित शिक्षण प्लेटफॉर्म है और जिसकी स्थापना दुनिया के सबसे तेज मानव कैलकुलेटर, नीलकंठ भानु ने की है। यह प्रतियोगिता बेहद रोमांचक थी, जहां छात्रों ने आमने-सामने मुकाबला किया और कुल 1,80,000 सवाल हल किए, जिनमें से केवल फाइनल राउंड में ही 45,000 से अधिक सही उत्तर दर्ज किए गए। भांजू छात्रों को इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के माध्यम से गणितीय आत्मविश्वास विकसित करने और समस्याओं को चार गुना तेजी से हल करने में सक्षम बनाता है। यह प्रक्रिया न केवल गणित को मजेदार बनाती है, बल्कि इसे छात्रों के लिए अधिक प्रासंगिक और आकर्षक भी बनाती है। प्रतियोगिता पर विचार करते हुए, इस प्रतियोगिता के सूत्रधार श्री नीलकंठ भानु, जिन्होंने 2020 में मेंटल कैलकुलेशन वर्ल्ड चैम्पियनशिप में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता था, ने कहा कि चैंपियन पैदा नहीं होते, उन्हें अनगिनत घंटों के अभ्यास से बनाया जाता है। यही बात राष्ट्रीय अंकगणित चैंपियनशिप के फाइनलिस्ट्स पर भी लागू होती है। इन युवा प्रतियोगियों ने, जो किसी खेल एथलीट्स से कम नहीं हैं, पूरे भारत से भाग लिया और 45,000 से अधिक गणितीय समस्याओं का सामना किया। हालांकि प्रतियोगिता एक सप्ताह के लिए डिजाइन की गई थी, लेकिन इन छात्रों ने मिनटों में चुनौतियों को पूरा कर लिया। प्रत्येक ग्रेड में 100 से अधिक छात्र मात्र मिली सेकंड के अंतर से बराबरी पर रहे। इस चैंपियनशिप की मदद से, हम छात्रों के दिमाग को गणितीय आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित कर रहे हैं जैसा पहले कभी नहीं हुआ।

संपादकीय

अब क्या करेंगे किसान?

किसानों का 404 दिन पुराना आंदोलन मात्र चार घंटे में ही कुचल दिया गया। पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर सीमेंट बैरिकेड तोड़ दिए गए, अस्थायी ढांचे, मंच और तंबू उखाड़ दिए गए। अनाज, सब्जियां आदि सडक़ पर बिखेर दी गईं। गुरुवार को 700 से अधिक आंदोलित किसानों को हिरासत में लिया गया था। अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को सेना के नियंत्रण वाले 'रेस्ट हाउस' में शिफ्ट कर दिया गया। नाराज डल्लेवाल ने पानी तक पीने से इंकार कर दिया है। यह पूरी कार्रवाई अचानक की गई, लेकिन हम इसे पूर्व-नियोजित मानते हैं। यह पंजाब की मान सरकार की रणनीति भी है। प्रमुख किसान नेता केंद्रीय मंत्रियों के साथ 7वें दौर की बातचीत कर रहे थे। जब वे लौटे, तो सब कुछ बिखर चुका था। पंजाब में ऐसी पुलिसिया कार्रवाई चौंकाती है, विरोधाभास की व्याख्या भी करती है, क्योंकि दिल्ली बॉर्डर पर किसान आंदोलन के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने आंदोलनकारियों को भोजन, पानी, शौचालय की सुविधाएं मुहैया कराई थीं। तत्कालीन मुख्यमंत्री केजरीवाल ने किसानों को जेल में डालने के केंद्र सरकार के आग्रह तक को खारिज कर दिया था। पंजाब में भी 'आप' की सरकार है और भगवंत सिंह मान मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने विधानसभा चुनाव के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी दिलाने का वायदा किया था। अब 'आप' के सामने लुधियाना उपचुनाव की चुनौती है, लिहाजा व्यापारियों और उद्योगपतियों के गंभीर दबाव में किसानों को खदेडऩे का फैसला लेना पड़ा। पंजाब में फरवरी, 2027 में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। साफ है कि आंदोलित किसानों का तबका तो 'आप' के खिलाफ जनमत देगा। वैसे आंदोलन के मद्देनजर किसान संगठन बिखर कर खंड-खंड हो चुके हैं, लिहाजा सभी वार्ताएं बेनतीजा साबित हो रही हैं। चंडीगढ़ की 7वीं बैठक के दौरान किसानों ने एक दस्तावेज-सा पेश किया था, जिसके मुताबिक एमएसपी की कानूनी गारंटी पर 25-30,000 करोड़ रुपए खर्च होने का आकलन किया गया था। बताते हैं कि उस अपुष्ट दस्तावेज पर केंद्रीय वाणिज्य-उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नाराजगी जताई। किसानों को यह भी दो टूक कहा गया कि यदि एमएसपी की कानूनी गारंटी दी गई, तो पंजाब से गेहूं और धान की खरीद का कोटा अन्य राज्यों के साथ बांटना पड़ेगा। पंजाब से जो सर्वाधिक सरकारी खरीद की जाती है, वह कोटा भी कम हो जाएगा। बताया जाता है कि इस पर किसान चौंक कर खामोश हो गए। चूंकि एमएसपी पर बेनतीजा बैठकों के ही दौर चल रहे हैं, लिहाजा अब हमारा भी अंदेशा यह है कि मोदी सरकार एमएसपी को कानूनी गारंटी नहीं देगी। कृषि विशेषज्ञ भी इसे संभव और व्यावहारिक नहीं मानते। आंदोलन बिखरने और एमएसपी का संवाद भी, अंततः, टूटने के बाद यह सवाल मौजू है कि अब किसान क्या करेंगे? अब शंभू के साथ-साथ जींद (हरियाणा) से सटे खनौरी बॉर्डर को भी किसान-मुक्त करा लिया गया है। औद्योगिक संगठनों के आकलन थे कि किसान आंदोलन के कारण इन 404 दिनों में 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। हर रोज के करीब 72 लाख रुपए टोल टैक्स का भी नुकसान झेलना पड़ा है। चूंकि सीधा असर पंजाब की अर्थव्यवस्था पर पड़ा है, लिहाजा करीब 70 लाख लोगों का रोजगार भी प्रभावित हुआ है। बहरहाल, एमएसपी की कानूनी गारंटी का मुद्दा 'जुमला' साबित हो सकता है, क्योंकि इस पर देशभर के किसान एकमत-एकजुट नहीं हैं।

अनाज, सब्जियां आदि सडक़ पर बिखेर दी गईं। गुरुवार को 700 से अधिक आंदोलित किसानों को हिरासत में लिया गया था। अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को सेना के नियंत्रण वाले 'रेस्ट हाउस' में शिफ्ट कर दिया गया। नाराज डल्लेवाल ने पानी तक पीने से इंकार कर दिया है। यह पूरी कार्रवाई अचानक की गई, लेकिन हम इसे पूर्व-नियोजित मानते हैं। यह पंजाब की मान सरकार की रणनीति भी है। प्रमुख किसान नेता केंद्रीय मंत्रियों के साथ 7वें दौर की बातचीत कर रहे थे। जब वे लौटे, तो सब कुछ बिखर चुका था। पंजाब में ऐसी पुलिसिया कार्रवाई चौंकाती है, विरोधाभास की व्याख्या भी करती है, क्योंकि दिल्ली बॉर्डर पर किसान आंदोलन के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने आंदोलनकारियों को भोजन, पानी, शौचालय की सुविधाएं मुहैया कराई थीं। तत्कालीन मुख्यमंत्री केजरीवाल ने किसानों को जेल में डालने के केंद्र सरकार के आग्रह तक को खारिज कर दिया था। पंजाब में भी 'आप' की सरकार है और भगवंत सिंह मान मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने विधानसभा चुनाव के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी दिलाने का वायदा किया था।

नस्लवादी विचारों और प्रथाओं के खिलाफ चल रही लड़ाई को रेखांकित करता है

नफरत, असमानता एवं नस्लीय भेदभाव से लड़ें

ललित गर्ग

हम सभी भेदभाव, विभाजन, अविश्वास, असहिष्णुता, घृणा और नफ़रत से भरे समाज में जीतते नहीं, बल्कि हारते हैं। नस्लवाद के खिलाफ़ लड़ाई हर किसी की लड़ाई है। नस्लवाद से परे एक दुनिया बनाने में हम सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी उद्देश्य से जनजागृति का माहौल बनाने के लिये प्रतिवर्ष 21 मार्च को विश्व स्तर पर नस्लवाद के खिलाफ़ उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाते हैं और दक्षिण अफ्रीका में 1960 के शार्पविले नरसंहार के पीड़ितों को याद करते हैं। हम उन लोगों की आवाज़ एवं दर्द सुनते हैं जो नस्लवाद के खिलाफ़ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों में शामिल थे।

नस्लवाद मानवता के माथे पर एक बदनुमा दाग है, यह सिर्फ़ उन लोगों के जीवन को ही नुकसान नहीं पहुंचाता जो इसे झेलते हैं, बल्कि पूरे समाज को भी नुकसान पहुंचाता है। हम सभी भेदभाव, विभाजन, अविश्वास, असहिष्णुता, घृणा और नफ़रत से भरे समाज में जीतते नहीं, बल्कि हारते हैं। नस्लवाद के खिलाफ़ लड़ाई हर किसी की लड़ाई है। नस्लवाद से परे एक दुनिया बनाने में हम सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी उद्देश्य से जनजागृति का माहौल बनाने के लिये प्रतिवर्ष 21 मार्च को विश्व स्तर पर नस्लवाद के खिलाफ़ उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाते हैं और दक्षिण अफ्रीका में 1960 के शार्पविले नरसंहार के पीड़ितों को याद करते हैं। हम उन लोगों की आवाज़ एवं दर्द सुनते हैं जो नस्लवाद के खिलाफ़ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों में शामिल थे। यह दिवस नस्लीय भेदभाव को खत्म करने और समानता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और नस्लवादी विचारों और प्रथाओं के खिलाफ चल रही लड़ाई को रेखांकित करता है, ताकि नस्लीय अलगाव से मुक्त वैश्विक समझ और एकता को बढ़ावा देते हुए नस्लमुक्त आदर्श एवं समानतामूलक दुनिया का निर्माण किया जा सके। किसी व्यक्ति के साथ उसकी त्वचा के रंग, नस्ल, जातीय मूल या जन्म के देश के आधार पर भेदभाव करना नस्लीय भेदभाव कहलाता है। नस्लीय भेदभाव के ज़रिए लोगों को समान अवसरों से वंचित किया जाता है या उनका अपमान किया जाता है। नस्लवाद, विदेशी लोगों के प्रति घृणा और उससे संबंधित भेदभाव और असहिष्णुता सभी समाजों में, हर जगह मौजूद हैं। 21 दिसंबर, 1965 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने संकल्प 2106 (एक्सएक्स) के माध्यम से सभी प्रकार के नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को अपनाया, जो नस्लवाद को मिटाने के वैश्विक प्रयास में एक महत्वपूर्ण कदम था। इस वर्ष सभी प्रकार के नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की 60वीं वर्षगांठ है। संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संधियों में से पहली के रूप में, नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ने भविष्य के मानवाधिकारों की उन्नति के लिए मंच तैयार किया। 60वीं वर्षगांठ नस्लीय भेदभाव के खिलाफ की गई प्रगति पर चिंतन करने और मौजूदा चुनौतियों पर प्रकाश डालने का

आह्वान करती है। यह समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने और नस्लवाद को खत्म करने के प्रयासों को जारी रखने का समय है, ताकि सभी व्यक्तियों, समाजों के लिए समान व्यवहार एवं समानतामूलक विश्व की संरचना सुनिश्चित हो सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत में नस्लीय भेदभावमुक्त समाज को निर्मित करने के लिये प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार चाहती है कि नस्लवाद किसी भी स्थिति में और अवश्य ही समाप्त होना चाहिए। और हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हर नस्ल, जाति, रंग, लिंग, पंथ में रुचि रखने वाले लोग एक-दूसरे से सुरक्षित और आपस में संबंधित है, जिससे कि हमारा आने वाला कल सौहार्दपूर्ण तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाला हो। बावजूद इसके पूर्वोत्तर राज्यों एवं अन्य समाजों में नस्लीय भेदभाव पसरा है। नस्ल प्रभावित लोगों के खिलाफ बढ़ रही आपराधिक घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। ये घटनाएं न सिर्फ राजधानी में इन राज्यों के लोगों के प्रति बढ़ती असहिष्णुता की स्थिति को दर्शाती हैं, बल्कि यहां कानून-व्यवस्था के हालात पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। विगत एक वर्ष में दिल्ली में पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के खिलाफ विभिन्न थानों में बड़ी संख्या में मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें जहां हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण जैसे गंभीर आपराधिक मामले बड़ी संख्या में हैं, वहीं महिलाओं के खिलाफ दुष्कर्म, दुष्कर्म के प्रयास, छेड़छाड़, फोन पर फब्तियां कसने व घूरने जैसी घटनाओं को लेकर दर्ज किए गए, मामलों की संख्या भी कम नहीं है। यही नहीं, दिल्ली पुलिस की साइबर सेल के पास सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर नस्लीय टिप्पणियां किए जाने संबंधी मामले भी आ रहे हैं। इस तरह तेजी से बढ़ती आपराधिक घटनाएं राजधानी में पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों में असुरक्षा का भाव पैदा कर रही हैं जो गंभीर चिंता का विषय है। ये स्थितियां भारत के नस्लीय भेदभाव के विरोध और अश्वेतों को समान अधिकार और प्रतिष्ठा दिए जाने की वकालत को भी धुंधलाती है। क्या कारण है कि देश के भीतर के सामाजिक विभाजन एवं नस्लीय भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने के बावजूद उसे मिटा नहीं रहे हैं। भले ही ऐसी वारदातें पुलिस की नजर में छोटी हों लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता एवं गौरवपूर्ण संस्कृति के लिये चिन्ताजनक है। तेजी से बढ़ता नस्लीय हिंसक दौर किसी एक प्रान्त का दर्द नहीं रहा। इसने हर भारतीय दिल एवं भारत की आत्मा को जख्मी बनाया है। अब इन हिंसक होती स्थितियों को रोकने के लिये प्रतीक्षा नहीं, प्रक्रिया आवश्यक है। देश में कई विसंगतिपूर्ण एवं भेदभावपूर्ण धाराएं बलशाली हो रही हैं, जिन्होंने जोड़ने की जगह तोड़ने को महिमामंडित किया हैं, प्रेम, आपसी भाईचारे और सौहार्द की जगह नफरत, द्वेष एवं विघटन को हवा दी। शायद यही वजह है कि भारत में अब भी लोग हर तरह के वर्ग और समुदाय के साथ घुल-मिलकर रहना सीख नहीं पाए हैं। उनके अचेतन में बिठा दिए गए पूर्वाग्रह समय-समय पर खतरनाक ढंग से सामने आते रहते हैं। एक आधुनिक और सभ्य समाज का लक्षण यह है कि वह अलग-अलग धाराओं से आने वाले लोगों और विचारों को खुले मन से स्वीकारें। आज राजनेता अपने स्वार्थों की चादर ताने खड़े हैं अपने आपको तेज धूप से बचाने के लिये या सत्ता के करीब पहुंचने के लिये। सबके सामने एक ही अहम सवाल आ खड़ा है कि 'जो हम नहीं कर सकते वो तुम कैसे करोगे?' लगता है इसी स्वार्थी सोच ने, आग्रही पकड़ ने, राजनीतिक स्वार्थ की मनोवृत्ति ने देश को इंसानों को नस्ल, भाषा, रंग, धर्म के भेदभावों की आग में झोंक रखा है। इक्कीसवी सदी का आदमी हवा में उड़ने लगा है, चांद पर चहलकदमी करने लगा है, ग्रह-नक्षत्रों की दुनिया में झांकने लगा है, यंत्र मानव का निर्माण करने लगा है, अपनी अधिकांश समस्याओं का समाधान कम्प्यूटर-कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से पाने लगा है, लेकिन इंसान इंसान के बीच के भेदभाव को मिटाने की दिशा में अभी भी यथोचित सफलता नहीं मिली है। यही कारण है कि नस्लीय, लैंगिक, जातीय, भाषायी भेदभाव खड़े हैं।

दृष्टि कोण

प्रदूषण की समस्या हल्के में लेते हैं नेतागण

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि प्रकृति हर व्यक्ति की जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त प्रदान करती है, लेकिन हर व्यक्ति के लालच को पूरा नहीं करती। उनका कहना था कि प्रकृति का अंधाधुंध दोहन करके हम अपनी अर्थव्यवस्था को किसी भी ऊंचाई पर पहुंचा सकते हैं, तो हम नीचे से अपनी जमीन को खिसका रहे हैं। वल्ड एयर क्वालिटी 2024 की रिपोर्ट उनके पर्यावरण को लेकर दिए गए बयान को सही साबित करती नजर आ रही है। इस रिपोर्ट में सबसे ज्यादा 20 प्रदूषित शहरों में दिल्ली समेत राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र के कई शहर भी शामिल हैं। भारत के 13 शहरों की हालत सर्वाधिक खराब है। जिस मेघालय के बारे में हरी-भरी वादियों और खूबसूरत प्राकृतिक नजारों के सुरम्य स्थलों की कल्पना की जाती थी, उसका बर्नीहाट सबसे प्रदूषित शहर है। बर्नीहाट में प्रदूषण का उच्च स्तर स्थानीय कारखानों, जैसे शराब निर्माण, लोहा और इस्पात संयंत्रों से निकलने वाले उत्सर्जन के कारण है। पड़ोसी देशों में पाकिस्तान के चार शहर और चीन का एक शहर भी इस सूची में हैं। स्विट्जरलैंड की एयर क्वालिटी टेक्नोलॉजी कंपनी आईक्यूएयर की वल्ड एयर क्वालिटी की इस रिपोर्ट में भारत 2024 में दुनिया का 5वां सबसे प्रदूषित देश बन गया है, जो 2023 में तीसरे स्थान पर था। देश के 35 प्रतिशत शहरों में पीएम 2.5 का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की सीमा 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से 10 गुना अधिक है। दिल्ली में स्थिति और भी गंभीर है, जहां वार्षिक औसत पीएम 2.5 सांद्रता 2023 में 102.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से बढक़र 2024 में 108.3 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर हो गई। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में 2024 में पीएम 2.5 (2.5 माइक्रोन से छोटे प्रदूषण कण) की सांद्रता में 7 प्रतिशत की कमी आई है, जो 2023 में 54.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से घटकर 50.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर हो गई। दिल्ली में वायु प्रदूषण साल भर एक गंभीर समस्या बना रहता है, जो सर्दियों में और भी खतरनाक हो जाता है। प्रतिकूल मौसम, वाहनों से निकलने वाला धुआं, धान की पराली जलाना, पटाखों का धुआं और अन्य स्थानीय स्रोत हवा की गुणवत्ता को खराब करते हैं। पीएम 2.5 कण फेफड़ों और रक्तवाहिकाओं में प्रवेश कर सांस की बीमारियों, हृदय रोग और कैंसर का कारण बन सकते हैं। औद्योगिक उत्सर्जन, वाहनों का धुआं और पराली जलाने जैसे स्रोतों पर सख्त नियंत्रण के बिना स्थिति में सुधार मुश्किल है। शीर्ष 20 सबसे प्रदूषित शहरों में भारत से बर्नीहाट (मेघालय), दिल्ली, मुल्लांपुर (पंजाब), फरीदाबाद, गुरुग्राम (हरियाणा), लोनी, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश), गंगानगर, भिवाड़ी और हनुमानगढ़ (राजस्थान) शामिल हैं। यह रिपोर्ट भारत के लिए एक चेतावनी है कि वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। वायु प्रदूषण भारत में एक बड़ा स्वास्थ्य जोखिम बना हुआ है। लांसेट प्लैनेटरी हेल्थ के रिसर्च के अनुसार वर्ष 2009 से 2019 तक हर साल लगभग 15 लाख लोगों की मौत पीएम 2.5 प्रदूषण के लंबे संपर्क के कारण हुई। रिपोट्र्स बताती हैं कि प्रदूषण के कारण भारतीयों की औसत आयु 5.2 साल कम हो रही है। भारत में बढ़ते प्रदूषण से देश की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान हो रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रदूषण से हर साल 95 अरब डॉलर यानी देश की जीडीपी के लगभग 3 प्रतिशत का नुकसान हो रहा है। वर्ष 2019 में डलबर्ग नाम की ग्लोबल कंसल्टेंसी फर्म ने बताया था कि भारत में प्रदूषण के कारण 95 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। इसका कारण काम की उत्पादकता में कमी, छुट्टियां लेना और समय से पहले मौत है। यह रकम भारत के बजट का लगभग 3 फीसदी और देश के सालाना स्वास्थ्य खर्च का दोगुना है। रिपोर्ट में कहा गया कि 2019 में भारत में 3.8 अरब कार्य दिवसों का नुकसान हुआ, जिससे 44 अरब डॉलर की चपत लगी। वर्ष 2070 तक भारत के नेट-जीरो के लक्ष्य को पाने के लिए हरेक क्षेत्र से कार्बन उत्सर्जन कम करने की जरूरत है। इस दिशा में बीते वर्षों में सरकारों ने ईवी वाहनों पर सबसिडी देने की शुरुआत की है, पीएम सूर्य घर योजना, पीएम-कुसुम योजना के भी लाभार्थियों की संख्या में वृद्धि सकारात्मक कदम है। भारत अपने अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहा है और धीरे-धीरे कोयला आधारित समुदायों को वैकल्पिक रोजगार के साधन उपलब्ध करवा रहा है। इन सभी संयुक्त प्रयासों से आने वाले भविष्य में वायु प्रदूषण पर असर पड़ेगा। इसके बावजूद सरकारी प्रयास आधे-अधूरे हैं।

कुछ अलग

नेताजी का 'ध्यान'

वैसे तो नेताजी हर जगह जाते हैं। जहां नहीं भी जाना होता, वहां भी जाते हैं। लेकिन इस बार आर्थिक संकट के बीच नेताजी का जाना विरोधियों के जहन में कई सवाल खड़े कर रहा है। सवाल इसलिए खड़े हो रहे हैं क्योंकि नेताजी प्रदेश से बाहर नहीं बल्कि देश से बाहर चले गए थे। साथ में कुछ मित्र भी थे। अब कहीं कोई जाता है तो गपशप करने के लिए साथ में मित्र भी तो चाहिए। ऐसे तो अकेला आदमी बोर हो जाएगा। बोर हो जाएगा तो विकास की योजनाएं कैसे बनाएगा। इसलिए नेताजी मित्रों के साथ विदेश गए थे। लेकिन परमानेंट नहीं गए थे। परमानेंट जाते तो पीछे से कुर्सी खिसक जाती। क्योंकि कुर्सी के पाए लगातार हिलते रहते हैं। नेताजी सिर्फ 7 दिन विदेश रहे और वहां समंदर का किनारा भी था। अब समंदर का किनारा बड़ा प्यारा होता है। वहां बड़ा दिल लगता है। लौटने को मन नहीं करता, लेकिन मजबूरी में लौटना पड़ता है। नेताजी भी लौट आए हैं। अब नेताजी जब वापस राजधानी पहुंचे तो खबरची भी इक_े हो गए। पहला ही सवाल नेताजी से पूछा गया कि आप विदेश क्या करने गए थे? नेताजी मंजे हुए खिलाड़ी हैं। उन्होंने तपाक से जवाब दिया कि 'ध्यान' लगाने गया था। खबरची सिर खुजलाने लगे कि वहां किसका ध्यान लगाया होगा? नेताजी उनके हाव-भाव भांपकर बोले, 'ध्यान लगाना हर किसी के बस की बात नहीं है। ध्यान लगाने का मतलब होता है- अपनी तमाम इंद्रियों को कंट्रोल में करके पूर्णतया एकाग्रचित होना। हमें ध्यान लगाना भी आता है और अंतरध्यान होना भी आता है।' खबरची चौंके। पूछने लगे, 'वो कैसे?' नेताजी बड़े सहज भाव से बोले- 'सच पूछो तो ध्यान लगाने की प्रतिभा मुझमें शुरू से ही थी। बाद में अंतरध्यान होने की प्रतिभा भी आ गई। इसी प्रतिभा से कॉलेज में स्टूडेंट्स के प्रधान भी बन गए और फिर राजनीति में आ गए। अब राजनीति में आकर कहां-कहां ध्यान लगाए, डिटेल में बताने बैठेंगे तो कई दिन गुजर जाएंगे और हम बातों में बिजी हो गए तो प्रदेश विकास में पीछे चला जाएगा। इसलिए आगे की चर्चा फिर कभी सही।' परंतु खबरची कहां मानने वाले थे, वे पीछे पड़ गए। अब नेताजी सच्चाई की साक्षात मूर्त बनाकर बताने लगे, 'जहां-जहां भी स्कोप था, हमने वहां-वहां ध्यान लगाया और हर स्कोप का दोहन किया। हमने इस बात का ध्यान भी रखा कि कोई विरोधी हम पर ध्यान तो नहीं रख रहा। यह राजनीति बड़ी गंदी गेम है। इसमें पता नहीं चलता कि कौन कहां-कहां ध्यान लगाए हुए है। राजनीति में वही सफल हो सकता है, जिसका ध्यान विपक्ष पर भी हो और पार्टी के अंदर विरोधियों पर भी। हमने दोनों मोर्चों पर ध्यान रखते हुए अपनी ही पार्टी के शरारती तत्वों से सांठगांठ की तरफ भी ध्यान दिया और उन्हें लाल झंडी वाली गाड़ी देने का लालच दिया जिससे वे पूरी तरह सैट हो गए। इसके बाद हमने ध्यान दिया कि अब बजट में और कौन-कौन से नए वायदे जनता से करने हैं। क्योंकि जनता वायदे बहुत पसंद करती है और वायदे वैसे भी चाशनी में लिपटे रसगुल्ले की तरह होते हैं। जिनके लिए लार टपकती रहती है। ध्यान लगाकर हमने नई वायदे तैयार किए और ब्यूरोक्रेसी को इन वायदों की गोल-गोल जलेबी बनाने को कहा। बजट में हमने वही जलेबी पेश कर दी। अब विपक्ष और पब्लिक का दिमाग गोल-गोल घूम रहा है जबकि हमारा बजट पेश करने का मिशन कंप्लीट हो गया है।' बाद में नेताजी अपनी कोठी में जाकर फिर से ध्यानमग्न हो गए। जनता जनार्दन के लिए वह ध्यान में नहीं हैं, बल्कि अंतरध्यान हो चुके हैं।

देश दुनीया से

अलगाववादी सोच की उपज पाकिस्तान

'करदे फकत इशारा अगर शाहे खुरासान, सजदा न करूं भारत की नापाक जमीन पर' अर्थात अगर तुर्की का खलीफा इशारा भी कर दे तो भारत की नापाक जमीन पर इबादत भी न करूं। पाकिस्तान के कौमी शायर 'अल्लामा इकबाल' ने अविभाजित हिंदोस्तान के दौर में 29 सितंबर 1930 को इलाहाबाद में आयोजित 'मुस्लिम लीग' के इजलास में अपनी इस हिकारत भरी नज्म का जिक्र करके भारत विरोधी नजरिए का इजहार सरेआम कर दिया था। बेशक तुर्की के खलीफा को आलम-ए-इस्लाम का एक बड़ा आलमगीर मानकर अल्लामा इकबाल ने शाहे खुरासान जैसी नज्म लिख फक्र महसूस किया था, मगर काबिलेगौर रहे इजरायल के हाइफा शहर में 23 सितंबर 1918 को भारत की 'जोधपुर रियासत' के राजपूत सैनिकों ने उसी तुर्की सल्तनत की चार सौ वर्षों की हुकूमत को अपनी तलवारों से ही खल्लास कर दिया था। मेजर 'दलपत सिंह राठौर' 'मिलिट्री क्रॉस' 'द हीरो ऑफ हाइफा' ने इजरायल को तुर्की की गुलामी से आजाद कराकर अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। सन्-1904 में 'तराना ए हिंद' 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तान हमारा' की रचना भी अल्लामा इकबाल ने ही की थी। मगर उर्दू के नामवर शायर 'सआदत हसन मंटो' ने कहा था कि यदि 'मजहब दिलों से निकल कर दिमाग पर चढ़ जाए तो जहर बन जाता है।' तराना-ए-हिंद के रचयिता तथा प्रभु श्रीराम को 'इमाम-ए-हिंद' करार देने वाले अल्लामा इकबाल मजहबी कट्टरवाद का शिकार हो गए। अपनी किताब 'कुल्लियाते इकबाल' में अल्लामा ने जिक्र किया था कि उनका ताल्लुक कश्मीर के 'सप्रू' ब्राह्मण परिवार से था, मगर कुछ मजहबी रहनुमाओं से मुतासिर होकर उन्होंने इस्लाम अपना लिया था।

इकबाल ने सन्-1910 में 'तराना-ए-मिल्ली' लिखकर भारत विभाजन के मंसूबे जाहिर कर दिए थे। भारत की आजादी के लिए शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में तख्ता-ए-दार पर झूल गए थे। 23 मार्च का दिन भारत में शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इंकलाबी युवा हिंदोस्तान की आजादी के लिए शहीद हो रहे थे, मगर कुछ जमातें भारत विभाजन के मंसूबों में मशगूल थीं। 23 मार्च 1940 को लाहौर के मिंटो पार्क में 'मोहम्मद अली जिन्ना' की कयादत में 'आल इंडिया मुस्लिम लीग' का इजलास हुआ, जिसमें 'लाहौर संकल्प' यानी 'करारदात-ए-लाहौर' पारित करके मजहब के आधार पर अलग मुल्क पाकिस्तान की मांग की गई थी। लाहौर करारदात की याद में 23 मार्च को यौम-ए-पाकिस्तान मनाया जाता है। यदि इतिहास के पन्ने खंगालें तो भारत को खंडित करके पाकिस्तान का तसव्वुर करने वाले अल्लामा इकबाल के साथ और भी कई किरदार बेनकाब होंगे। जम्मू-कश्मीर रियासत में हंदवाड़ा कस्बे के सहाफी 'सैयद गुलाम शाह काजमी' ने जुलाई 1928 में एबटाबाद में 'पाकिस्तान' नाम से उर्दू में साप्ताहिक अखबार के संपादन के लिए दरख्वास्त दायर की थी। लंबी जद्दोजहद के बाद सन्-1936 में गुलाम शाह का पाकिस्तान अखबार एबटाबाद से नसर हुआ, जिसके चलते पाकिस्तान नाम ज्यादा मकबूल हुआ। हालांकि पाकिस्तान अखबार सन्-1938 को बंद कर दिया गया था। 'चौधरी रहमत अली' ने जनवरी 1933 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से प्रकाशित अपनी एक पाम्पलेट, जिसका शीर्षक 'नाऊ एंड नेवर' था, उसमें 'पाकिस्तान' लफ्ज का जिक्र करके पाकिस्तान का नक्शा भी उकेर दिया था। रहमत अली ने सन्-1934 में पाकिस्तान का मश्विरा मोहम्मद अली जिन्ना को दिया, मगर भारत विभाजन में जिन्ना की कारकर्दगी से रहमत अली इस कदर बरहम हुए कि जिन्ना को 'कायद-ए-आजम' के बजाय 'गद्दार-ए-आजम' कह दिया। नतीजतन पाक वजीरे आजम 'लियाकत अली' की हुकूमत ने रहमत अली की संपत्ति छीन कर उन्हें पाकिस्तान छोडऩे का फरमान जारी कर दिया था। लफ्ज-ए-पाकिस्तान की तखलीक करने वाले चौधरी रहमत अली तीन फरवरी 1951 को ब्रिटेन में फौत हो गए। 'बान-ए-तहरीक-ए-पाकिस्तान, खालिक एक लफ्ज पाकिस्तान' ये अल्फाज कैम्ब्रिज में रहमत अली की कब्र पर अंकित हैं। अर्थात पाकिस्तान तहरीक के संस्थापक व पाकिस्तान लफ्ज के निर्माता। लेकिन पाकिस्तान लफ्ज के मुसन्निफ रहमत अली के ताबूत को पाकिस्तान में कब्रिस्तान नसीब नहीं हुआ। मय्यत को कंधा देने कोई पाकिस्तानी नहीं गया था। 'मुफ्फिकर-ए-पाकिस्तान' अल्लामा इकबाल की निगाहें नए मुल्क पाकिस्तान के हसरत-ए-दीदार से महरूम रह गईं। सिंध, बलूचिस्तान, पंजाब व अफगान 'सूबा-ए-सरहद' को मिलाकर पाकिस्तान बनाने का ख्वाब देखने वाले अल्लामा इकबाल का इंतकाल 21 अप्रैल 1938 को ही हो गया था। द्विराष्ट्र सिद्धांत की वकालत करने वाले मोहम्मद अली जिन्ना पाकिस्तान के वजूद में आने के एक वर्ष बाद सितंबर 1948 को फौत हो गए। पाकिस्तान अखबार के संपादक गुलाम शाह काजमी की सितंबर 1984 में गुमनामी में ही मौत हो गई। रहमत अली, इकबाल व जिन्ना जैसे लोगों का तर्क था कि जब तक मजहब के आधार पर अलग मुल्क वजूद में नहीं आएगा, अमन कायम नहीं होगा। मौजूदा दौर में आतंक की दारुल हुकूमत पाकिस्तान व मजहबी कट्टरपंथ का मरकज बन चुके बांग्लादेश में कितना अमन है, यह पूरी दुनिया के सामने है। यदि मजहब की तर्जुमानी करने वाले जिन्ना व इकबाल की द्विराष्ट्र सिद्धांत की सोच सही थी तो बलूचिस्तान, पीओके व सिंध की आजादी पर रायशुमारी होनी चाहिए। बहरहाल सन्-1971 में पूर्वी पाक को बांग्लादेश में तब्दील करके भारतीय सेना ने पाकिस्तान को द्विराष्ट्र सिद्धांत का एहसास पूरी शिद्दत से कराया था, मगर अफसोस कि अल्लामा इकबाल, रहमत अली, जिन्ना व सिकंदर हयात खान जैसे लोग पाकिस्तान की तकसीम को अपनी चश्म-ए-पलक से नहीं देख सके। राष्ट्र को भाषा, जाति, मजहब व तहजीब के आधार पर खंडित करने की अलगाववादी सोच रखने वाले सियासी रहनुमाओं को पाकिस्तान के हालात से मुखातिब होकर सबक लेना होगा।

आप का नजरीया

नाम के लिए तेरा नाम

बलिदानों का भी विभाजन संभव है, लेकिन आज की सियासत ने यह करिश्मा भी दिखाना शुरू किया है। हिमाचल विधानसभा के बजट सत्र ने चर्चा की चुनरी ओढ़ा कर बलिदान में भी राजनीति के रंग देख लिए। बात नेताओं के नाम पर योजनाएं चलाने पर भी पहुंची, तो तमाम शिलान्यास पट्टिकाएं उलझ गईं। इसी संदर्भ में अटल बिहारी वाजपेयी का मनाली से रिश्ता भी सुर्खरु रहा। यहां नाम बनाम नाम तो बना, लेकिन काम बनाम काम नहीं हुआ। बेशक अटल सरकार ने औद्योगिक पैकेज देकर आज हिमाचल को दवाइयों का हब बना दिया या कभी इंदिरा गांधी ने पूर्ण राज्यत्व का दर्जा देकर प्रदेश को आगे बढऩे का रास्ता दिखा दिया था। बहरहाल योजनाओं के नामकरण में कई राजनीतिक हस्तियां गूंज रही हैं, लेकिन हिमाचल के नायक को सम्मान नहीं मिला। हिमाचल के अपने नायक का किस राष्ट्रीय संस्थान के साथ नाम चस्पां हुआ। बजीर राम सिंह पठानिया ने अंग्रेजों के खिलाफ मंगल पांडे से पहले विद्रोह किया था, लेकिन इस ऐतिहासिक तथ्य को आज तक सम्मान नहीं मिला। योद्धा के रूप में जोरावर सिंह ने पूरे उत्तर भारत की हर फतह में अपना शीर्ष स्थान साबित किया, लेकिन हिमाचल ने इन्हें कहां याद रखा। यह दीगर है कि विधायक सुधीर शर्मा के प्रयास से धर्मशाला में जोरावर सिंह की शौर्यगाथा कहती मूर्ति स्थापित हुई है। स्वतंत्रता सेनानियों की एक लंबी फेहरिस्त हिमाचल के विभिन्न आंदोलनों में आजादी के परवानों ने लिखी, लेकिन राजधानी शिमला के किस कोने में हमें क्रांतिकारी वीरों के नाम चिन्हित नजर आते हैं। विधायक संजय रतन के पिता व स्वतंत्रता सेनानी बोर्ड के अध्यक्ष रहे स्व. पंडित सुशील रतन ने एक राज्य स्तरीय स्वतंत्रता सेनानी स्मारक के शिलालेख धर्मशाला में लिखे, लेकिन आज तक यह परियोजना सामने नहीं आई। हिमाचल ने देश के लिए कुर्बानियों के कई इतिहास लिखे और इनमें देश के नाम पहला परमवीर चक्र अर्जित करने वाले मेजर सोमनाथ का नाम उल्लेखनीय हो जाता है, लेकिन इस योद्धा के नाम पर क्या हमने कोई सैन्य प्रशिक्षण अकादमी या कालेज ऑफ डिफेंस स्टडीज बना दिया। दो बड़ी बांध परियोजनाएं कांगड़ा और बिलासपुर में राष्ट्रीय निर्माण में मानवीय बलिदान को अनुपम बनाती हैं, लेकिन इनका नामकरण किसी भी हिमाचली नायक के साथ नहीं होता। अगर हमें इतिहास के गौरवमय क्षण याद होते तो पौंग बांध के साथ बजीर राम सिंह पठानिया और बिलासपुर की गोद में बांध का नाम जोराबर सिंह के साथ जुड़ता। बलिदान को किसी नाम के सहारे की जरूरत नहीं, लेकिन राष्ट्र हित के नाम पर कुर्बान हुए तमाम लोगों को याद करने के कारण शाश्वत हैं। विडंबना यह है कि हमारी प्रगति के आयाम सियासी मूर्तियां धारण करने लगे हैं। विकास का चरित्र राजनीतिक पार्टियों के बीच बंटने लगा है। हमारे शिक्षण-चिकित्सा संस्थान अब अपने सियासी तमगों के पीछे मुंह छिपाते बढ़ रहे हैं। अगर हम पूछें कि प्रदेश के सबसे बड़े डाक्टर या सर्जन कौन हुए, तो कई लोग बगलें झांकते हुए मिलेंगे। बलिदान तो उन कर्मचारियों का भी गिना जाना चाहिए जो विद्युत आपूर्ति को संभव बनाते-बनाते अपनी ईहलीला समाप्त कर लेते हैं। जोखिम भरे कार्यों में जान गंवाने वालों के नाम भी तो कर्म की परिभाषा का संरक्षण जरूरी है।

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे हिसार के महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट का उद्घाटन : रणबीर गंगवा

हिसार (हिंस)। यहां महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। हालांकि अभी उनका कार्यक्रम का दिन तय नहीं हुआ है। लेकिन इतना अवश्य है कि अगले माह अप्रैल में एयरपोर्ट का उद्घाटन हो जाएगा। यह जानकारी हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य मंत्री रणबीर गंगवा ने शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे का शुरू होना न केवल हिसारवासियों बल्कि हरियाणावासियों के लिए भी फक्र की बात है। इसके उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आएंगे, उनसे बातचीत हो गई है और समय की

घोषणा जल्द कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग इस एयरपोर्ट बारे बेवजह शोर-शराबा करके जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। यह एयरपोर्ट प्रदेश के लिए विकास की बहुत बड़ी परियोजना है और ऐसे में कांग्रेस के लोगों को इसका विरोध करने के स्थान पर सकारात्मक सहयोग देना चाहिए। कांग्रेस सांसद जयप्रकाश द्वारा हिसार एयरपोर्ट बारे बार-बार की जा रही बयानबाजी को उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि जयप्रकाश बताए कि वे हिसार में एयरपोर्ट चाहते हैं या नहीं। कितनी गलत बात है कि हिसार का सांसद होते हुए हिसार में एयरपोर्ट बारे गुमराह करने वाली बयानबाजी कर रहे हैं, जो निंदनीय है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्तापक्ष के साथ-साथ स्वच्छ विपक्ष होना जरूरी है लेकिन ये हरियाणा का दुर्भाग्य है कि कांग्रेस पार्टी स्वच्छ विपक्ष की भूमिका नहीं निभा पा रही है। सरकार के काम की आलोचना में कांग्रेस इतना डूब गई कि वह एयरपोर्ट व अन्य विकास कार्यों का ही विरोध करने लगी। मंत्री रणबीर गंगवा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा पेश किए गए बजट को नायाब व हर वर्ग का हितैषी बताया। उन्होंने कहा कि बजट से पूर्व लिए गए सुझावों की वजह से ही यह सबका हितैषी बजट बन पाया है। मंत्री के अनुसार सरकार ने पिछले वर्ष के बजट की तुलना में इस बार 13.7 प्रतिशत अधिक का बजट पेश किया है। पत्रकार वार्ता के लिए जिला कार्यालय पहुंचने पर जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने मंत्री रणबीर गंगवा का स्वागत किया। मंत्री ने भी उन्हें जिला अध्यक्ष बनने की बधाई दी। पत्रकार वार्ता में जिला महामंत्री आशीष जोशी व संजीव रेवड़ी, उपाध्यक्ष रणधीर सिंह धीरू, मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा, सह कोषाध्यक्ष अशोक मित्तल, सह मीडिया प्रभारी विक्रम कासनिया व राजकुमार शर्मा, सोशल मीडिया से एमएस पानू, डीएस पानू, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, पार्टी नेता रामनिवास राड़ा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रस्तुत बजट ने दिखाई समावेशी प्रगति की राह : डॉ. अरविंद शर्मा

सोनीपत (हिंस)। हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा पेश किया गया बजट विकास और कल्याण की दिशा में एक मजबूत कदम है। यह बजट 2 लाख 5 हजार 17 करोड़ रुपए का है, जो पिछले वर्ष से 13.7 प्रतिशत अधिक है। इसमें किसान, गरीब, युवा, महिलाएं और हर वर्ग के हितों को प्राथमिकता दी गई है। शनिवार को गोहाना के सिंचाई विश्राम गृह में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने इसे संतुलित और समावेशी करार दिया। डॉ. शर्मा ने कहा कि यह बजट ढांचागत विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। सहकारिता और पर्यटन के क्षेत्र में हरियाणा अन्य राज्यों के लिए मिसाल बनेगा। किसानों के लिए प्राकृतिक खेती और बागवानी को प्रोत्साहन, नकली बीज व कीटनाशकों पर सख्ती, गन्ना किसानों को हार्वेस्टर पर सब्सिडी और महिला किसानों को डेयरी के लिए एक लाख रुपए का ब्याजमुक्त ऋण जैसे कदम आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम हैं। लाडो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को 2100 रुपए मासिक देने के लिए 5000 करोड़ रुपए का प्रावधान सराहनीय है।

सहकारिता विभाग को 1254.97 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो पिछले साल से 58.80 प्रतिशत अधिक है। डेयरी फेडरेशन हर ब्लॉक में दूध संकलन केंद्र और जिला स्तर पर चिलिंग प्लांट स्थापित करेगा। दूध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के लिए 70 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, पैक्स से लोन लेने वाले किसानों के लिए वन टाइम सेटलमेंट स्कीम और 350 नए वीटा बूथ भी शुरू होंगे। पर्यटन के क्षेत्र में सूरजकुण्ड मेले का विस्तार, राखीगढ़ी को विश्व स्तरीय पुरातत्व स्थल बनाने और सरस्वती नदी के उत्थान के लिए 25 करोड़ रुपए का ट्रस्ट स्थापित होगा। अग्रोहा में 25 मार्च से खुदाई शुरू होगी, जिसमें मुख्यमंत्री स्वयं शामिल होंगे।

हिसार स्टेशन पर हेरिटेज लुक के साथ यात्रियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

बीकानेर (हिंस)। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत उत्तर-पश्चिम रेलवे, बीकानेर मंडल के हिसार स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य तीव्र गति से चल रहा है और प्रथम चरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। स्टेशन भवन के समरूप में बड़े स्तर पर सुधार कार्य, स्टेशन की ओर आने-जाने वाले मार्ग में प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग प्रावधान का कार्य, बाउंड्री वॉल, सर्कुलेटिंग एरिया में सौंदर्य करण, दोपहिया, चौपहिया वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग सुविधा, बुकिंग ऑफिस रिटायरिंग रूम आदि में सुधार, नए टॉयलेट ब्लॉक्स का कार्य अंतिम चरण में है और लगभग 98 प्रतिशत से अधिक कार्य हो चुका है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक भूपेश कुमार के अनुसार लगभग 27.54 करोड़ की लागत से होने वाले पुनर्विकास कार्यों में उपरोक्त कार्यों के अलावा सौंदर्य वर्धन के लिए एलइडी लाइटिंग तथा दीवारों पर आर्टवर्क भी किया जाएगा।

सूर्य की किरणों से होता है भोलेनाथ का अभिषेक, वास्तु कला का बेजोड़ नमूना है हजारेश्वर महादेव मंदिर

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। शहर के पावटा चौक स्थित हजारेश्वर महादेव मंदिर में शिवलिंग पर सूर्य की पहली किरणों से अभिषेक हुआ। वर्ष में दो मौके ऐसे भी आते हैं जब भगवान सूर्य की पहली किरणें शिवलिंग पर गिरती है और अभिषेक होता है। ऐसे में शनिवार को जब सूर्य की किरणों से अभिषेक हुआ तो मंदिर में विशेष अनुष्ठान देखने को मिला। चित्तौड़गढ़ शहर में स्थित हजारेश्वर महादेव के महंत चंद्र भारती महाराज ने बताया कि वर्ष में दो बार ऐसे योग बनते हैं, जो कि सूर्य की पहली किरण भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करती है। सूर्य की पहली किरण से मंदिर में भोलेनाथ का अभिषेक होना बहुत शुभ माना जाता है। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म में सूर्य को ऊर्जा का स्रोत और ग्रहों का राजा माना जाता है। ऐसे में जब देवता अपनी पहली किरण से भगवान का अभिषेक करते हैं तो उसे आराधना में और देवत्व का भाव जाग जाता है। सूर्य की पहली किरण मंदिर के गर्भ गृह में स्थित शिवलिंग पर पड़ती है। मंदिर का वास्तु कुछ इस प्रकार है कि भोर की पहली किरण वेधशाला मंडप और गर्भगृह के छोटे से द्वार को चीरती हुई भगवान भोलेनाथ की शिवलिंग पर पड़ती है। जैसे सूर्य

देव को देख कर साथ ही भोलेनाथ को प्रणाम कर जग में उजियारा फैलाने की इजाजत मांगते हो। हजारेश्वर महादेव मंदिर के आचार्य श्रवण सामवेदी ने बताया कि गर्भगृह में विशाल शिवलिंग के दर्शन करने यहां महाशिवरात्रि पर बड़ी संख्य श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस मंदिर का निर्माण पुष्य नक्षत्र में किया गया था। इसलिए यह किंवदंती भी प्रचलित है कि मंदिर का निर्माण वास्तुकला के बेजोड़ नमूने को निर्मित करने वाले की आकृति भी मंदिर के शिखर के पास नजर आती है। भगवान शिव का यह मंदिर विख्यात है। इन्हें श्री हजारेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। श्रीमहंत चंद्रभारती महाराज ने बताया कि भगवान भाव के भूखे हैं। उनका अभिषेक कई तरह से होता है। जैसे शिवजी का जलाभिषेक और रुद्राभिषेक होता है। उसी तरह कुछ मंदिरों का निर्माण इस तरह कराया जाता है कि किसी निश्चित तिथि या प्रतिदिन सूर्य की पहली किरण वहां स्थापित विग्रह पर सबसे पहले पड़े। ऐसा ही निर्माण हजारेश्वर महादेव मंदिर के लिए हुआ है। उन्होंने बताया कि यहां मंदिर में एक ही शिवलिंग पर एक हजार शिवलिंग बने हुए हैं। ऐसे में जल चढ़ाने पर एक साथ एक हजार शिवलिंग पर जल चढ़ता है और पूजा होती है।

श्रद्धापूर्वक मनाई शीतलाष्टमी, मंदिर में दर्शनों को उमड़ी भीड़

जोधपुर (हिंस)। जन-जन की आस्था का प्रतीक लोकपर्व शीतलाष्टमी शनिवार को पारम्परिक हर्षोल्लास से मनाया गया। आज सुबह से कागा स्थित शीतला माता मंदिर में दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। इस अवसर पर घर-घर में शीतला माता की पूजा-अर्चना हुई और सौभाग्यवती महिलाओं ने पति और पुत्र की लंबी आयु के लिए प्रार्थना की। मान्यता के अनुरूप सुबह घरों में शीतला माता का पूजन किया गया। बच्चों को शीतला माता के समक्ष धोक लगवाई गई। ऐसी आस्था है कि शीतला माता की धोक लगाने से बच्चे स्वस्थ रहेंगे। शीतलाष्टमी पर घरों में शीतला माता, ओरी माता, अचपड़ाजी एवं पंथवारी माता का प्रतीक बनाकर पूजन किया गया। खास बात यह है कि आज के दिन माता शीतला को शीतल और एक दिन पहले पकाए गए पकवानों का भोग लगाया गया। कुछ घरों में सूर्योदय से पूर्व पूजा हुई तो कई परिवारों ने सूर्योदय के बाद शीतला माता की विधिवत पूजा की। वहीं कागा तीर्थ स्थल में मां शीतला के मंदिर में सुबह से भीड़ पडनी शुरू हो गई। मंदिर के

कपाट खुलते ही लोग शीतला माता की पूजा-अर्चना में जुट गए। दिन चढ़ने के साथ लोगों की भीड़ बढ़ती गई। केवल जोधपुर ही नहीं बल्कि दूर-दराज के लोग भी माता के दर्शन करने पहुंचे। श्रद्धालुओं ने मां शीतला के समक्ष शीश नवाकर पारिवारिक सदस्यों के व्यवहार में शीतलता व शिशुओं को ओरी-अचपड़ा सहित चर्म संबंधी बीमारियों से संरक्षण प्रदान करने की मनौती मांगी। कई महिलाओं ने शिशुओं को माता के चरणों में लिटाकर चरणामृत पिलाया। रंग-बिरंगे पारम्परिक परिधान पहने महिलाएं मंगल गीत गाते हुए शीतला माता के मंदिर पहुंची। मंदिर के बाहर लोगों का हुजूम नजर आया। वहीं घरों में शीतला माता, ओरी माता, अचपड़ा एवं पंथवारी माता का प्रतीक बनाकर पूजन किया गया। पूजन के दौरान एक दिन पूर्व घरों में बनाए गए पकवानों का भोग लगाकर घर के सभी बतौर प्रसादी ठंडा ग्रहण किया। अधिकांश घरों में शीतलाष्टमी को चूल्हा नहीं जला। यहां तक की दूध व चाय भी नहीं पी गई। कैर-सांगरी का पंचकूटा, चावल, मिष्ठान, कर्बा, कढ़ी, दही-राबड़ी, पूडियां, पापड़, मठरी, सिलवड़े, खीचिए, गुलगुले, खाजा, कांजी बड़े, तली हुई खाद्य वस्तुएं और कई नमकीन व्यंजन खाए गए। कागा तीर्थ पर चल रहे मेले में मंदिर ट्रस्ट की ओर से विशेष इंतजाम किए गए है ताकि यहां आने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी ना उठानी पड़ी। दूसरी ओर स्थानीय प्रशासन की तरफ से भी सुरक्षा के मद्देनजर पुख्ता इंतजाम किए गए है। शीतला माता (कागा तीर्थ) ट्रस्ट के अध्यक्ष निर्मल कच्छवाहा ने बताया कि पर्याप्त संख्या में पुलिस के जवान मंदिर के आसपास मौजूद है जिससे कि असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सके। मंदिर ट्रस्ट की ओर से दर्शनार्थियों के सुगम दर्शन की व्यवस्था के लिए स्वयंसेवक तैनात किए गए है।

विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण के लिए ग्लेशियरों को बचाना जरूरी : प्रो. व्यास

जोधपुर (हिंस)। राजकीय कन्या महाविद्यालय सूरसागर के प्राचार्य और पर्यावरणविद् प्रोफेसर डॉ. अरुण व्यास ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और वैश्विक जल संकट से निपटने के लिए ग्लेशियर संरक्षण को भावी योजनाओं में मुख्यता में रखते हुए मिलकर काम करना होगा। उन्होंने बताया कि विश्व जल दिवस हर साल 22 मार्च को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य सुरक्षित जल तक पहुंच के बिना रह रहे 2.2 अरब लोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह वैश्विक जल संकट से निपटने के लिए हमें सावचेत भी करता है। वर्तमान में बढ़ती आबादी, कृषि और उद्योग की बढ़ती मांग और जलवायु परिवर्तन के बिगड़ते प्रभावों के कारण जल अत्यधिक खतरे में है। उन्होंने बताया कि विश्व जल दिवस 2025 की थीम ग्लेशियर संरक्षण है। ग्लेशियर इको सिस्टम और मानव जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इनका पिघला हुआ पानी पीने के पानी, कृषि, उद्योग, स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के लिए आवश्यक है। तेजी से पिघलते ग्लेशियर जल प्रवाह में अनिश्चितता पैदा कर रहे हैं और नदियों पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है जिससे मानव और पर्यावरण प्रभावित हो रहे है। हिमनदों के संरक्षण के लिए कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक कमी ग्रीन हाउस गैसों के कम उपभोग से की जा सकती है और हिमनदों के सिकुड़ने को अनुकूल स्थानीय रणनीतियां बनाकर रोका जा सकता हैं।

योगी सरकार के आठ साल में मिशन रोजगार को मिली रफ्तार

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के आठ साल के कार्यकाल में मिशन रोजगार ने नई ऊंचाइयां छुई हैं। इस दौरान मिशन रोजगार के माध्यम से प्रदेश में साढ़े सात लाख से अधिक सरकारी नौकरियां युवाओं को दी गई हैं। इस अभियान में कार्मिक विभाग ने भी अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाते हुए युवाओं के लिए रोजगार के द्वार खोले हैं। इसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) के माध्यम से पिछले आठ वर्षों में करीब 95 हजार अभ्यर्थियों का चयन किया गया। योगी सरकार के इन प्रयासों ने न केवल रोजगार सृजन को गति दी, बल्कि उत्तर प्रदेश को युवा-केंद्रित विकास के पथ पर अग्रसर किया। मिशन रोजगार के तहत यह उपलब्धि राज्य के भविष्य को सशक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कोविड महामारी के बावजूद नहीं रुकी चयन प्रक्रियाप्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान भी योगी सकार ने भर्ती प्रक्रिया को पटरी पर रखा। यूपीपीएससी ने एक अप्रैल 2017 से 20 मार्च 2025 तक 48,593 अभ्यर्थियों को चुना। सबसे अधिक चयन 2019-20 में 13,893 रहा, जबकि 2024-25 में अब तक 1,918 अभ्यर्थियों का चयन हुआ। इसी तरह, यूपीएसएसएससी ने 46,032 अभ्यर्थियों का चयन किया। इसमें 2022-23 में 11,800 चयन के साथ सर्वाधिक भर्ती दर्ज की गई। वहीं, 2024-25 में अब तक 6,106 युवाओं को अवसर मिल चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवंबर 2020 से नवंबर 2024 तक इन 4 वर्षों में 35 नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रमों के जरिए नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे हैं। यही नहीं, भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और त्वरित बनाने के लिए ई-अधियाचन पोर्टल की शुरुआत की गई, जिससे समूह क, ख और ग के पदों पर चयन प्रक्रिया में तेजी आई।

भारत की महान धरोहर का हिस्सा है बिहार का इतिहास एवं संस्कृति : आनंदीबेन पटेल

लखनऊ (हिंस)। बिहार राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में समारोह का आयोजन हुआ। इस मौके पर कलाकारों ने बिहार राज्य के लोकगीतों और लोक नृत्यों पर शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें राज्यपाल ने सराहा। उन्होंने बिहार राज्य के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि । इस अवसर पर बिहार की धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक विविधता को दर्शाती हुई डाक्यूमेंट्री तथा प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के वैभव व वर्तमान पुनर्निर्मित नालंदा विश्वविद्यालय के स्वरूप पर आधारित डाक्यूमेंट्री का भी प्रदर्शन किया गया। बिहार के खान-पान, रहन-सहन, पर्व, मेले, विविध पर्यटन स्थल, ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्थल व अनूठी विशेषताओं पर आधारित प्रदर्शनी एवं रंगोली का भी प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने बिहार के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को उजागर

करते हुए कहा कि प्राचीन काल में बिहार शिक्षा और संस्कृति के मामले में विश्व प्रसिद्ध था। उन्होंने कहा कि बिहार शिक्षा, राजनीति, शोध के क्षेत्र में अग्रणी राज्य है। भगवान श्रीराम का ससुराल भी बिहार में ही था। नालंदा और विक्रमशिला जैसे प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों की बिहार में अवस्थिति की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह राज्य राजा जनक, चाणक्य, चन्द्रगुप्त मौर्य, विश्वामित्र, भगवान बुद्ध, भगवान महावीर और गुरु गोविन्द सिंह की पवित्र धरती है। राज्यपाल ने नालंदा विश्वविद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में 10 हजार विद्यार्थियों द्वारा पढ़ाई की जाती थी। यहां का पुस्तकालय ज्ञान का भण्डार था। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय के पुनर्निर्माण को महत्वपूर्ण कदम बताते हुए इसके अद्भुत शैक्षिक मॉडल की सराहना की। राज्यपाल ने देश की नदियों को पुनर्जीवित किये जाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि हमारा दायित्व होना चाहिए कि आगामी पीढ़ियों को शुद्ध मिट्टी, शुद्ध पानी, शुद्ध हवा तथा पेड़-पौधे उपलब्ध हो सकें। उन्होंने गुजरात में सरस्वती नदी के पुनर्जीवन का उदाहरण दिया, जो तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से संभव हुआ जब नर्मदा नदी का पानी सरस्वती नदी में डाला गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने सरकार द्वारा चलाई गई अमृत सरोवर योजना के माध्यम से प्राकृतिक व प्राचीन तालाबों के जीर्णोद्धार व मनरेगा योजना और इसके तहत किए गए कार्यों की सराहना की, विशेष रूप से गरीबों को मिले लाभ के बारे में चर्चा की। उन्होंने भारत की प्राचीन वैज्ञानिक उपलब्धियों, जैसे शून्य की खोज और विमान डिजाइन के बारे में भी बताया और कहा कि भारत का प्राचीन ज्ञान दुनिया में अग्रणी था।

मुख्यमंत्री योगी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज

मुरादाबाद (हिंस)। थाना नागफनी क्षेत्र में एक मुस्लिम युवक ने फेसबुक पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की फोटो डाल कर आपत्तिजनक टिप्पणी की। इससे हिंदू समाज में रोष फैल गया। थाना नागफनी पुलिस ने शनिवार को आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। नागफनी क्षेत्र के मोहल्ला डेहरिया निवासी साहिल शम्सी की फेसबुक आइडी से मुख्यमंत्री की फोटो लगाकर उनके बारे में आपत्तिजनक पोस्ट की गई। इस मामले में एसआई विवेक कुमार की ओर से आरोपी साहिल के खिलाफ तहरीर दी गई। तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के साथ ही आईटी एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। थाना नागफनी प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है, जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

राष्ट्रगान के अपमान के मुद्दे पर महागठबंधन ने जलाया मुख्यमंत्री का पुतला

भागलपुर (हिंस)। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एवं इंडिया गठबंधन द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार द्वारा राष्ट्रगान के अपमान के विरोध में शनिवार को कचहरी चौक पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार का पुतला दहन किया गया। इस दौरान भागलपुर जिला के कांग्रेस, राजद के साथ इंडिया गठबंधन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी भागलपुर की इकाई के अध्यक्ष परवेज जमाल ने नीतिश कुमार के राष्ट्रगान के समय बातें करना, हंसना और लोगों को प्रणाम करने को काफी आपत्तिजनक बताया है। उन्होंने कहा कि यह सरेआम देश का अपमान है। उन्होंने यह भी कहा कि नीतिश कुमार इससे पहले भी कई बार कभी महिलाओं के बारे में तो कभी कुछ ऐसी टिप्पणियां करते रहते हैं, जिससे उनकी छवि खराब हो रही है। अगर वह बीमार हो गए हैं तो उन्हें राजनीति छोड़कर घर में बैठ जाना चाहिए। बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. चक्रपाणि हिमांशु ने कहा कि राष्ट्र गान का अपमान करने वाले मुख्यमंत्री नीतिश कुमार को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। राष्ट्र गान के अपमान करने वालों को कानूनी रूप से 3 साल का सजा होती है। देश

के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतने गंभीर विषय पर उनके समर्थित लाडले मुख्यमंत्री नीतिश कुमार पर चुप क्यों हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतिश कुमार का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। जिसके कारण वो बार-बार प्रत्येक मंच पर कुछ-कुछ गलत हरकतें कर रहे हैं। इनका मानसिक इलाज कराया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री के इन हरकतों और व्यवहार की अनदेखी करना प्रदेश के लिए बहुत घातक है। राष्ट्रीय जनता दल के भागलपुर अध्यक्ष चंद्रशेखर यादव ने कहा कि अगर एक मुख्यमंत्री इस तरह राष्ट्रगान का अपमान करेंगे तो जनता उन्हें माफ नहीं करेगी। उन्हें तुरंत गद्दी छोड़ देनी चाहिए। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने इस दौरान जमकर मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी किया। पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष डॉ. प्रवीण कुमार झा, सोईन अंसारी, डॉ. अभय आनंद सहित काफी संख्या में इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता शामिल थे।

बिहार दिवस पर गर्ल्स हाईस्कूल में प्रभात फेरी का आयोजन

किशनगंज (हिंस)। बिहार दिवस के अवसर पर जिले के डुमरिया स्थित गर्ल्स हाई स्कूल में प्रभात फेरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी विशाल राज ने की और इसमें विद्यालय की छात्राओं, शिक्षकों, तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रभात फेरी के दौरान, छात्राओं ने बिहार की गौरवशाली संस्कृति, इतिहास और विकास को प्रदर्शित करते हुए नारों और पोस्टरों के माध्यम से जागरूकता फैलाने का कार्य किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बिहार की समृद्ध धरोहर को सम्मान देना और समाज में शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और समग्र विकास को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर डीएम विशाल राज ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार

दिवस राज्य की प्रगति, एकता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने छात्राओं को शिक्षा के महत्व को समझने और राज्य के विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस सफल आयोजन में जिला शिक्षा पदाधिकारी नासिर हुसैन, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी संदीप कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी लतीफुर रहमान सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं स्कूल के शिक्षकगण और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। बिहार दिवस के इस आयोजन ने जिले में हर्ष और गर्व का वातावरण उत्पन्न किया।

डिक्सन टेक्नोलजीज की बाजार हिस्सेदारी 11 फीसदी पर पहुंची

मुंबई

इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण बनाने वाली कंपनी डिक्सन टेक्नोलजीज तेजी से अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर काम कर रही है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार 2024 में स्मार्टफोन उत्पादन में डिक्सन टेक्नोलजीज की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 11 फीसदी पहुंच गई।

कंपनी की बाजार हिस्सेदारी वर्ष 2023 में 8 फीसदी थी

जो 2023 में 8 फीसदी थी। इसकी तुलना में ऐपल इंक के लिए भारत और वैश्विक बाजार के लिए ठेके पर आईफोन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन होन हई की बाजार हिस्सेदारी पिछले साल 12 फीसदी रही, जो 2023 में 11 फीसदी थी।

इसी तरह चीन के डीबीजी समूह की 2023 में बाजार हिस्सेदारी 9 फीसदी थी जो 2024 में बढ़कर 12 फीसदी पहुंच गई। डीबीजी श्याओमी तथा अन्य कंपनियों के लिए स्मार्टफोन बनाती है।

ऐपल के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स भी आईफोन बनाती है जिसका उत्पादन में हिस्सा 2024 में दोगुना बढ़कर 4 फीसदी हो गया। वर्ष 2023 में कुल स्मार्टफोन उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी 2 फीसदी थी। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने विसट्रोन का अधिग्रहण किया था और हाल ही में पेगाट्रॉन में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदी है।

ये दोनों कंपनियां ऐपल के लिए आईफोन बनाती थीं। काउंटरपॉइंट के अनुसार टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स का स्मार्टफोन उत्पादन 2023 की तुलना में 107 फीसदी बढ़ा है।

आईफोन 15 और आईफोन 16 के उत्पादन में उसका अहम योगदान है। दूसरी ओर फॉक्सकॉन का उत्पादन 2023 के मुकाबले 2024 में 19 फीसदी और डीबीजी का उत्पादन इस दौरान 35 फीसदी बढ़ा है। मोबाइल उपकरणों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाते हुए डिक्सन ने कई वैश्विक ब्रांडों को अपने साथ जोड़ा है, जिनके लिए वह स्मार्टफोन बनाती है। इन कंपनियों में श्याओमी, नोकिया एचएमडी, मोटोरोला आदि शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

सेबी ने 10 संस्थाओं पर लगाया 50 लाख का जुर्माना

मुंबई। भारतीय पूंजी बाजार नियामक सेबी ने बीएसई के इलिक्विड स्टॉक ऑप्शंस सेगमेंट में गैर-प्रामाणिक ट्रेडिंग में शामिल 10 संस्थाओं पर 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। प्रत्येक इकाई पर 5-5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया, जिनमें सचिन जैन एचयूएफ, मोतीलाल बैद, अजय नोपानी, दिवाकर झा, बागदेवी सप्लायर्स प्राइवेट लिमिटेड, रीता आर ठक्कर, काला सप्लायर्स प्राइवेट लिमिटेड, मेघा निभवानी, सीताराम जयंती और अमित शॉ शामिल हैं। सेबी ने पाया कि इन संस्थाओं ने अप्रैल 2014 से सितंबर 2015 के बीच बीएसई के इलिक्विड स्टॉक ऑप्शंस सेगमेंट में रिवर्सल ट्रेड्स किए, जिससे कृत्रिम वॉल्यूम बना। सेबी ने कहा कि रिवर्सल ट्रेड्स का कोई वित्तीय तर्क नहीं होता और यह बाजार में नकली वॉल्यूम बढ़ाकर निवेशकों को गुमराह करने का काम करता है। इसके अलावा सेबी ने कॉरपोरेट स्ट्रैटेजिक एलायंज प्राइवेट लिमिटेड का मर्चेंट बैंकर लाइसेंस रद्द कर दिया। सेबी की अप्रैल 2022 से सितंबर 2023 तक चली जांच में नियमों के उल्लंघन की पुष्टि हुई। नियामक के अनुसार कंपनी ने नियामकीय दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया, जिसके चलते उसका पंजीकरण रद्द करने का निर्णय लिया गया।

भारत में खपत 2034 तक बढ़कर दोगुनी हो जाएगी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में खपत में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही है। देश की कुल जीडीपी में 56 फीसदी का योगदान देने वाला यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसकी विकास की रफ्तार सबसे तेज है। जिससे भारत जल्द ही प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पछाड़कर दुनिया की खपत राजधानी बन जाएगा। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते उपभोक्ता आधार की वजह से भारत में खपत 2034 तक बढ़कर दोगुनी हो जाएगी। इसमें एकल परिवार के चलन की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसकी वजह से भारत में घरेलू विकास जनसंख्या वृद्धि से आगे निकल रहा है और यह बढ़ती खपत का प्रमुख चालक बनकर उभर रहा है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में टैक्स के मोर्चे पर करदाताओं को दी राहत से एक लाख करोड़ रुपये प्राप्त होंगे, जिससे 3.3 लाख करोड़ रुपये की वृद्धिशील खपत को बढ़ावा मिलेगा। इसमें भारतीय जीडीपी को एक फीसदी तक बढ़ाने की क्षमता है।

डीएलएफ ऑफिस और रिटेल स्पेस में 20,000 करोड़ का निवेश करेगी, यह निवेश कंपनी आने वाले मध्यम अवधि में करेगी

मुंबई। रियल एस्टेट क्षेत्र की बड़ी कंपनी डीएलएफ (डीएलएफ) ने ऑफिस और रिटेल स्पेस जैसी कमर्शियल प्रॉपर्टी के विकास के लिए करीब 20,000 करोड़ निवेश करने की योजना बनाई है। यह निवेश कंपनी आने वाले मध्यम अवधि में करेगी। शेयर बाजारों में पेश की गई कॉरपोरेट प्रेजेंटेशन में डीएलएफ ने अपने किराये के कारोबार की विस्तार रणनीति साझा की। कंपनी ने कहा कि ग्रोथ के लिए बड़े स्तर पर पूंजीगत व्यय की योजना है। कंपनी ने कहा कि वृद्धि के लिए हमारी महत्वपूर्ण पूंजीगत व्यय की प्रतिबद्धता है। इन वाणिज्यिक प्रोजेक्ट्स का विकास डीएलएफ लिमिटेड और उसकी संयुक्त उद्यम कंपनी डीएलएफ साइबर सिटी डेवलपर्स लिमिटेड के जरिये किया जाएगा। रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ का किराये पर आधारित कारोबार लगातार विस्तार कर रहा है। कंपनी के पास फिलहाल करीब 4.4 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्रफल की वाणिज्यिक संपत्तियों का पोर्टफोलियो है, जिसमें 93 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी यानी किरायेदारों की मौजूदगी बनी हुई है। डीएलएफ का यह पोर्टफोलियो मध्यम अवधि में बढ़कर करीब 7.3 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंचने की उम्मीद है।

अमेरिका ने उतारा दुनिया का सबसे अत्याधुनिक फाइटर जेट एफ-47

एफ-47 ने आधुनिक हवाई युद्ध की नई पीढ़ी को जन्म देने की योजना बनाई

वाशिंगटन

अमेरिका ने अपनी सैन्य शक्ति को और बढ़ाने के लिए दुनिया का सबसे अत्याधुनिक फाइटर जेट एफ-47 को पेश किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस फाइटर जेट को दुनिया के सामने रखकर उसकी महामारी और अद्भुत क्षमताओं की हस्ताक्षर किए।

एफ-47 ने अपने गुप्त रूप से उड़ान भरने की योग्यता और हाई-टेक नेक्स्ट-जनरेशन ड्रोन के साथ काम करने की क्षमता से लोगों को चौंका दिया है। ट्रंप ने बताया कि एफ-47 का यह कॉन्ट्रेक्ट एफ-22 स्टील्थ वॉरप्लेन के रिप्लेसमेंट के लिए है, जो 1980 के दशक में डेवलप किया गया था। इस नए फाइटर जेट का मानव-संचालित जेट होगा, जो विशेष रूप से चीन और अन्य दुश्मनों के एयर डिफेंस सिस्टम को चुनौती देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी कीमत के बारे में सोचने से पहले ही कोई भी विमान 300 मिलियन डॉलर की कीमत से ऊपर हो सकती है, जो कि एक बड़ा और महत्वपूर्ण निवेश हो सकता है। यूएस एयरफोर्स के उच्च स्तरीय अधिकारी ने बताया कि एफ-47 ने आधुनिक हवाई युद्ध की नई पीढ़ी को जन्म देने की योजना बनाई है। इसका वास्तविक नाम अभी तक आधिकारिक तौर से खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन इस उपलब्धि के माध्यम से अमेरिका ने अपनी सुरक्षा में एक नया मोर्चा स्थापित किया है।

भारत ने कोयला उत्पादन में रचा इतिहास, 1 अरब टन के पार, देश की ऊर्जा मांग पूरी करने में मदद मिलेगी

मुंबई। भारत ने कोयला उत्पादन में एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है, जिसके माध्यम से देश ने 1 अरब टन को पार कर लिया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि दिखाती है कि कोयला उत्पादन क्षेत्र में भारत की प्रगति निरंतर जारी है। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने इस सफलता को साझा करते हुए बताया कि उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ सुरक्षित और जिम्मेदार खनन की व्यवस्था को भी मजबूती से संभाला गया है। इस उपलब्धि से देश की ऊर्जा मांग पूरी करने में मदद मिलेगी और आर्थिक विकास को गति देने में सहायक साबित होगी। कोविड काल के दौरान कोयले की मांग में तेजी से वृद्धि के साथ, देश ने अपने उत्पादन में उछाल देखा है। निजी स्वामित्व वाली खदानों और कोल इंडिया के सहयोग से इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को हासिल किया गया है। कोल इंडिया ने बताया कि देश में स्वदेशी उत्पादन के मामले में यह उपलब्धि एक महत्वपूर्ण कदम है और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण क्रांति उल्लेखनीय ढंग से साकार हो रही है। इस सफलता के माध्यम से भारत के कोयला उत्पादन क्षेत्र में नया एक चांद निकला है, जो देश के ऊर्जा मांग को पूरी करते हुए विकास की राह में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

गोदरेज कंज्युमर की तीसरी तिमाही कमजोर रही

मुंबई

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (जीसीपीएल) के लिए वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही कमजोर रही। लेकिन कुछ विश्लेषक तीसरी तिमाही को मजबूत बिक्री सुधार की उम्मीद के साथ अपवाद मान रहे हैं और उनकी राय में वित्त वर्ष 2026 में यह सबसे तेजी से बढ़ने वाली एफएमसीजी कंपनी साबित हो सकती है। तीसरी तिमाही में लॉन्ड्री, एयर-फ्रेशनर और सेक्सुअल वेलनेस में दो अंकों की वृद्धि साबुन और घरेलू कीटनाशकों में आई गिरावट के आगे फीकी पड़ गई। चौथी तिमाही के बाद साबुन की कीमतों में और बढ़ोतरी की उम्मीद है। अगरबत्ती की बाजार भागीदारी बढ़ी जबकि लिक्विड वैपोराइजर और लॉन्ड्री लिक्विड पदार्थों का बाजार में दबदबा रहा। साबुन व्यवसाय ने भी बाजार भागीदारी में इजाफा दर्ज किया। लेकिन डिओड्रेंट की बाजार भागीदारी गंवाई। कंपनी का भारतीय परिचालन मुनाफा मार्जिन तीसरी तिमाही में 22.5 फीसदी रहा जो ऐतिहासिक 24-26 फीसदी के दायरे की तुलना में कम है। भारत में अन्य खर्च में सालाना आधार पर 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई क्योंकि जीसीपीएल ने ग्रामीण क्षेत्र में निवेश जारी रखा। समेकित और एकल परिचालन लाभ में सालाना आधार पर10 प्रतिशत और 21 प्रतिशत की गिरावट आई क्योंकि मार्जिन में 290 आधार अंक और 675 आधार अंक की कमी आई।

सेल दमदार है लेकिन रजिस्ट्रेशन में देरी हो रही है: ओला इलेक्ट्रिक

मुंबई। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि उसकी बिक्री दमदार है। कंपनी आंकड़ों की कवायद मार्च के आखिर तक पूरा करने पर फोकस बनाए हुए है। सरकार के वाहन पोर्टल पर फरवरी के बिक्री के वास्तविक और घोषित आंकड़ों में विसंगतियां के बीच कंपनी ने यह जानकारी दी। इससे पहले कंपनी ने ऐलान किया था कि उसने पिछले महीने 25,000 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे थे। हालांकि वाहन पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार फरवरी के अंत तक और 17 मार्च तक उसने केवल 8,651 स्कूटर पंजीकृत किए। कंपनी ने कहा कि हमारी बिक्री दमदार बनी हुई है और फरवरी के दौरान अस्थायी बैकलॉग का कारण विक्रेताओं के साथ चल रही हमारी बातचीत थी क्योंकि वाहन पंजीकरण का जिम्मा इन डीलर पर ही होता है। इस लंबित काम को तेजी से निपटाया जा रहा है और रोजाना के पंजीकरण हमारी तीन महीने की दैनिक बिक्री के औसत का 50 प्रतिशत से अधिक हैं।

एलआईसी ने की हेल्थ इंश्योरेंस में प्रवेश की घोषणा

लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) ने अपने ग्राहकों के लिए बड़ी घोषणा की है, और इस बार यह केवल जीवन बीमा सेवाओं के लिए नहीं है। एलआईसी अब हेल्थ इंश्योरेंस क्षेत्र में भी पहुंचने को तैयार है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी सिद्धार्थ मोहंती ने बताया कि एलआईसी एक और कंपनी के साथ साझेदारी करने जो कि प्रक्रिया में है, और 31 मार्च से पहले इस डील की घोषणा हो सकती है। साझेदारी के लिए चयन किया जा रहा है, लेकिन कंपनी का नाम अभी तक रहस्यमय है। मीडिया से बातचीत के दौरान कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि यह संभावित है कि एलआईसी की नई साझाकर्ता मणिपाल सिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस हो सकती है। एलआईसी के लिए स्वास्थ्य इंश्योरेंस में एंट्री का फैसला विश्वासी और स्वाभाविक है। एलआईसी इस साझेदारी के जरिये केवल 51 प्रतिशत या उससे कम हिस्सेदारी खरीदेगी, जिसका निर्धारण कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा किए गए मूल्यांकन और अन्य कारकों पर आधारित होगा।

मुजफ्फरनगर से जीआई-टैग वाला 30 मीट्रिक टन गुड़ बांग्लादेश को किया गया निर्यात

नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से 30 मीट्रिक टन जीआई-टैग वाले गुड़ की खेप बांग्लादेश को निर्यात के लिए रवाना की गयी है। यह गुड़ अपने उच्च गुणवत्ता वाले गन्ने के लिए प्रसिद्ध है।वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि भारत के कृषि निर्यात को बढ़ावा देते हुए 30 मीट्रिक टन गुड़ की खेप बांग्लादेश को निर्यात की गई है। यह पहल किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी) के जरिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश से बांग्लादेश को गुड़ के सीधे निर्यात की शुरुआत का प्रतीक है। इस अवसर पर शामली के विधायक प्रसन्न चौधरी ने मुजफ्फरनगर और शामली में उत्पादित गुड़ की बेहतर गुणवत्ता पर प्रकाश डाला। चौधरी ने कहा कि इस

गुड़ की अंतरराष्ट्रीय बाजारों में काफी मांग है। उन्होंने निर्यात को सुविधाजनक बनाने में निरंतर सहयोग के लिए कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) को धन्यवाद दिया और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने में राज्य सरकार के सहयोग के महत्व पर जोर दिया।

एपीडा अध्यक्ष अभिषेक देव के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए बीईडीएफ के संयुक्त निदेशक डॉ. रितेश शर्मा ने प्रत्यक्ष कृषि निर्यात के लिए एफपीओ को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि कृषि समुदाय को अधिक लाभ मिले।

भारतीय बैंकिंग प्रणाली में अप्रैल 2025 से नए नियम लागू

मुंबई

भारतीय बैंकिंग प्रणाली में 1 अप्रैल 2025 से कई नए नियम लागू होने जा रहे हैं, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए हैं। उन्होंने अधिक ग्राहक हित के लिए ये नए नियम घोषित किए हैं। इन नियमों के तहत एसबीआई, पीएनबी, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे बड़े बैंकों में मिनिमम बैलेंस रखने के नियम बदल गए हैं।

एसबीआई के नए नियम- सरकारी बैंकों में सबसे बड़ा बैंक एसबीआई ने अपने ग्राहकों के लिए मिनिमम बैलेंस रखने की नई नीति लागू की है। बड़े शहरों में एसबीआई खाता खुलवाने वाले ग्राहकों के लिए मिनिमम बैलेंस की लिमिट 3000 रुपए है, छोटे शहरों में 2000 और गांव के बैंकों में 1000 रुपए।

पीएनबी के नए नियम- पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने भी नए बैलेंस रखने के नियम लागू

किए हैं। बड़े शहरों में पीएनबी के ग्राहकों के लिए मिनिमम बैलेंस की लिमिट 2000 रुपए है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 1000 रुपए रखने की अनिवार्यता है। एचडीएफसी बैंक के नए नियम- एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए बड़े शहरों में मिनिमम बैलेंस 10,000 रुपए रखने की नई नीति लागू की है। छोटे या ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहकों के लिए भी बैलेंस की लिमिट 2500 से 5000 रुपए तक है। आईसीआईसीआई बैंक के नए नियम- आईसीआईसीआई बैंक भी अपने ग्राहकों के लिए बड़े शहरों में मिनिमम बैलेंस की लिमिट निर्धारित की है। इसके अनुसार बड़े शहरों में 10,000 रुपए जरूरी है, जबकि छोटे और ग्रामीण इलाकों के ग्राहकों के लिए 2500 से 5000 रुपए की लिमिट और गांवों के लिए 1000 रुपए की जरूरत है।

नीलाम हुआ ट्विटर का आइकॉनिक नीला चिड़िया लोगो

मुंबई। एलन मस्क द्वारा ट्विटर के अधिग्रहण के बाद, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कई पुराने प्रतीकों को हटाया गया। इसी कड़ी में ट्विटर का आइकॉनिक नीली चिड़िया लोगो, जो कभी इसकी पहचान हुआ करता था, 34,375 डॉलर (करीब 29 लाख रुपए) में नीलाम हुआ। यह लोगो सैन फ्रांसिस्को स्थित ट्विटर मुख्यालय पर लगा था और 254 किलोग्राम वजनी व 12 फीट लंबे, 9 फीट चौड़े आकार का था। हालांकि, इसे खरीदने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी गई है। गौरतलब है कि एलन मस्क ने 2022 में ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर (करीब 3,368 अरब रुपए) में खरीदा था। अधिग्रहण के समय मस्क ने कहा था कि वह फ्री स्पीच को बढ़ावा देने और नए फीचर्स के साथ ट्विटर को एक बेहतर प्लेटफॉर्म बनाने पर काम करेंगे।

मियामी ओपन 2025 : डेविड गॉफिन ने दूसरे दौर में कार्लोस अल्कराज को चौंकाया

नई दिल्ली

विश्व नंबर 3 कार्लोस अल्कराज को मियामी ओपन के दूसरे दौर में बेल्जियम के डेविड गॉफिन के हाथों अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। हार्ड रॉक स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए इस मुकाबले में गॉफिन ने अल्कराज को तीन सेटों में 5-7, 6-4, 6-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

2022 में मियामी ओपन खिताब जीतने वाले 21 वर्षीय अल्कराज इस बार अपनी लय में नजर नहीं आए। दूसरी ओर, पूर्व विश्व नंबर 7 गॉफिन ने शानदार खेल दिखाया और लगभग ढाई घंटे तक चले इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में अपना अनुभव साबित किया।

गॉफिन, जो पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्जेंडर वुकिक के खिलाफ भी एक सेट से पिछड़ गए थे, ने अल्कराज के खिलाफ भी वही जुझारूपन दिखाया। बेल्जियन स्टार ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और स्पैनियार्ड को उनके खेल में स्थापित होने का मौका नहीं दिया।

गॉफिन ने तीनों सेटों में शुरुआती ब्रेक हासिल किए और फिर बढ़त बनाए रखते हुए मुकाबला अपने नाम किया। दुनिया के 55वें नंबर के खिलाड़ी ने मैच के दौरान अपने दूसरे सर्व रिटर्न पॉइंट्स का 45त्न (15/33) जीता और नेट पर भी आक्रामक रुख अपनाते हुए 24 में से 17 पॉइंट्स अपने नाम किए।

दूसरी ओर, अल्कराज ने कई अनफोर्स्ड एरर किए, जिनमें फ़ोरहैंड से 28 गलतियां शामिल थीं, जो उनकी हार की एक प्रमुख वजह बनीं।

मैच के बाद गॉफिन ने अपनी रणनीति के बारे में कहा, मैंने सोचा था कि रिटर्न पर आक्रामक रहना जरूरी होगा, खासकर उनके दूसरे सर्व पर। अगर मैं बहुत ज्यादा निष्क्रिय रहता, तो उनके पास फ़ोरहैंड और अन्य कई हथियार थे, जिससे वापसी करना मुश्किल हो जाता। गॉफिन अब राउंड ऑफ़ 16 में अमेरिका के ब्रैंडन नकाशिमा से भिड़ेंगे। मैच के बाद अल्कराज ने माना कि वह अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नहीं थे। उन्होंने कहा, मेरा प्रदर्शन खराब था। मैंने अच्छा टेनिस नहीं खेला। मेरे पैरों में थोड़ी भारीपन की अनुभूति हो रही थी। उन्होंने कहा, मुझे लगा था कि मैं अच्छा खेलूंगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तीसरे सेट में जब मैं ब्रेक डाउन हुआ, तो मैं शारीरिक रूप से भी सहज महसूस नहीं कर रहा था और आत्मविश्वास की भी कमी थी, जिससे वापसी करना मुश्किल हो गया।

न्यूज ब्रीफ

इंडोनेशिया 3×3 राष्ट्रीय टीम 2025 फीबा एशिया कप के लिए तैयार, मुख्य ड्रॉ में क्वालीफाई करने का लक्ष्य

जकार्ता। इंडोनेशिया की 3×3 राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम के कोच फंदी एंडिका रमाधानी ने आशा व्यक्त की है कि उनकी टीम 2025 फीबा 3×3 एशिया कप के मुख्य ड्रॉ में क्वालीफाई करेगी। कोच ने शुक्रवार को इंडोनेशियाई बास्केटबॉल संघ द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा,हमें उम्मीद है कि पुरुष और महिला दोनों टीमें मुख्य ड्रॉ में जगह बना सकेंगी। 2025 फीबा 3×3 एशिया कप 26 से 30 मार्च तक सिंगापुर के ओसीबीसी स्क्वायर में आयोजित किया जाएगा। रमाधानी ने बताया कि टीम की तैयारी को अधिकतम स्तर पर ले जाने के लिए वे रक्षात्मक मजबूती और शॉट सटीकता पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, क्योंकि ये दोनों पहलू टीम की सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि वह इस साल के टूर्नामेंट में कड़ी मेहनत करेंगे और मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने के लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास करेंगे। इंडोनेशिया की पुरुष 3×3 राष्ट्रीय टीम क्वालीफाइंग राउंड के ग्रुप ए में मलेशिया, चीन के हांगकांग, बहरीन और गुआम के खिलाफ मुकाबला करेगी। वहीं, इंडोनेशिया की महिला 3×3 राष्ट्रीय टीम ग्रुप डी में तुर्कमेनिस्तान, चीन के मकाओ और पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ खेलेगी।

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस अंडर 17: युगांडा ने घोषित की 22 सदस्यीय फाइनल टीम

कंपाला। युगांडा की अंडर-17 राष्ट्रीय फुटबॉल टीम (कब्स) के मुख्य कोच ब्रायन सेन्योंडो ने आगामी अफ्रीका कप ऑफ नेशंस अंडर 17 टूर्नामेंट के लिए अंतिम 22 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 30 मार्च से 19 अप्रैल 2025 तक मोरक्को में आयोजित किया जाएगा। युगांडा को ग्रुप ए में मेजबान मोरक्को, तंजानिया और जाम्बिया के साथ रखा गया है। यह टूर्नामेंट फीफा अंडर 17 वर्ल्ड कप 2025 (कतर) के लिए क्वालिफिकेशन का माध्यम भी है, जिसमें शीर्ष 10 अफ्रीकी टीमें वैश्विक टूर्नामेंट में जगह बनाएंगी। युगांडा की टीम अपना पहला मुकाबला 30 मार्च को मोरक्को के खिलाफ एल बाचिर स्टेडियम में खेलेगी। गुरुवार शाम टीम युगांडा से मोरक्को के लिए रवाना हुई, जहां वे आगे की ट्रेनिंग और कुछ प्री-टूर्नामेंट फ्रेंडली मुकाबले खेलेंगे। युगांडा अंडर 17 टीम की अंतिम 22 सदस्यीय सूची: गोलकीपर: एड्रियन मुकवांगा, जोवन नसेरेको मुकिसा। डिफेंडर: हमजा सेनगूबा, एथन अडेलेक अफुगा एंड्रियास ओयेडेले, जोसेफ लैंगोल, एल्विस तोराच, डेरिक सोजी थॉमस ओगेमा। मिडफील्डर: इसिमा मुलाला मगाला, रिचर्ड ओकेलो, स्टीवन ओयिरवोथ, ट्रेवर मुबिरु, साइमन वान्यामा, शकूर बागियो लकी मागोगो। फॉरवर्ड: ब्रायन ज्जारा, जॉन ब्रायन ओविनो, मार्विन कबीतो, मुहम्मद मसाबो, अशरफ लुक्यमुजी, अशरफ क्याकुवा, अब्दुल लुकेनजेन्टेगे, जेम्स बोगेरे।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैरी कॉनवे ने नॉर्थम्पटनशायर के साथ करार किया

लंदन। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज हैरी कॉनवे ने काउंटी चैम्पियनशिप में खेलने के लिए नॉर्थम्पटनशायर के साथ करार किया है। 32 वर्षीय कॉनवे वॉन्टेज रोड में चार डिवीजन टू मुकाबलों में नॉर्थम्पटनशायर का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनका पहला मैच 2 मई को लीसेस्टरशायर के खिलाफ होगा, इसके बाद लंकाशायर, ग्लैमॉर्गन और ग्लॉस्टरशायर के खिलाफ खेलेंगे। कॉनवे ने इस सर्दी में शेफील्ड शील्ड फाइनलिस्ट दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए तीन मुकाबले खेले, जिसमें उन्होंने 27.12 की औसत से आठ विकेट झटके। एक तेज गेंदबाज के रूप में वह अच्छी उछाल हासिल करने की क्षमता रखते हैं और नॉर्थम्पटनशायर के सीम आक्रमण को मजबूती प्रदान करेंगे, जो पिछले सत्र के अंत में जैक व्हाइट के यॉर्कशायर जाने से कमजोर हो गया था। पूर्व ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 खिलाड़ी कॉनवे ने अपने करियर की शुरुआत न्यू साउथ वेल्स से की थी, लेकिन 2022 में एडिलेड ओवल में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने का फैसला किया। उनके फर्स्ट-क्लास करियर में 46 मुकाबलों में 119 विकेट हैं और उनका गेंदबाजी औसत 28.86 है।

हम पंजाब किंग्स को सर्वश्रेष्ठ टीम बनाएंगे : रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली

हम जीतने के लिए मैदान में उतरेंगे और कोई भी हमसे यह छीन नहीं सकता, यह कहना है पंजाब किंग्स के नए मुख्य कोच रिकी पोंटिंग का, जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में टीम को खिताबी जीत की ओर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। विश्व कप विजेता पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने न्यू चंडीगढ़ स्थित न्यू पीसीए स्टेडियम में आयोजित मेटा क्रिएटर्स इवेंट के दौरान अपनी रणनीति और टीम की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की।

इस खास इवेंट में डिजिटल जगत के चर्चित नाम, जैसे झुमरू (अरुण सिंह), केशव आशीष, आदित्य शुक्ला और सुकृति शामिल हुए, जिन्होंने आगामी सीजन में टीम की मानसिकता और संभावनाओं को बेहतर ढंग से समझने का प्रयास किया।

पंजाब किंग्स का विजन और नई शुरुआत

पंजाब किंग्स के चीफ़ कॉमर्शियल ऑफ़िसर सौरभ अरोड़ा ने इस इवेंट की सराहना करते हुए कहा, हम क्रिकेट, संस्कृति और हमारी नई टीम को लेकर डिजिटल क्रिएटर्स को एक मंच पर लाकर गर्व महसूस कर रहे हैं। साथ ही मुल्लांपुर स्थित अत्याधुनिक न्यू पीसीए स्टेडियम का परिचय कराना हमारे समुदाय-निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि स्टेडियम टूर के ज़रिए क्रिएटर्स को विश्वस्तरीय सुविधाओं का अनुभव मिला, जो पंजाब किंग्स की मैदान के अंदर और बाहर की उत्कृष्टता को दर्शाता है।

रिकी पोंटिंग का विजयी मंत्र

पोंटिंग ने स्पष्ट किया कि टीम का प्राथमिक लक्ष्य आईपीएल ट्रॉफी पर कब्जा जमाना है। उन्होंने बताया, धर्मशाला में हमारे ट्रेनिंग कैंप के पहले ही दिन मैंने खिलाड़ियों से कहा कि हम पंजाब किंग्स को सर्वश्रेष्ठ टीम बनाने जा रहे हैं। यह प्रक्रिया रातों-रात नहीं होती, इसे निरंतर मेहनत से तैयार करना होता है।

टीम में विजयी मानसिकता विकसित करने पर ज़ोर देते हुए उन्होंने कहा, जीतना एक मानसिकता है। हमें हर मैच में यह भावना रखनी होगी कि विरोधी हमसे कुछ छीनने आए हैं और हम ऐसा होने नहीं देंगे।

युवा और अनुभव का बेहतरीन संतुलन

इस सीजन में पंजाब किंग्स की टीम युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलन के साथ मैदान में उतरने के लिए तैयार है। पोंटिंग ने कुछ युवा खिलाड़ियों की विशेष रूप से प्रशंसा की, जिन्होंने अब तक की ट्रेनिंग में प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, प्रियांश आर्य एक संभावित सलामी बल्लेबाज के रूप में उभर रहे हैं। इसी तरह सूर्यांश शेज भी हमारे प्रशिक्षण सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने आगे जोड़ा, मुशीर खान भी एक ऐसा नाम है जिसने अपनी ऊर्जा और जज़्बे से मुझे प्रभावित किया है। उसका रवैया टीम के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है।

अनुभवी विदेशी खिलाड़ियों पर भरोसा

पोंटिंग ने कहा कि वे टीम में विदेशी खिलाड़ियों को सही उदाहरण पेश करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, बहुत से युवा भारतीय खिलाड़ी विदेशी खिलाड़ियों को आदर्श मानते हैं, इसलिए अगर वे सही दिशा में चलते हैं, तो पूरी टीम बेहतर बनती है। मैं चाहता हूं कि हमारे विदेशी खिलाड़ी नेतृत्व करें और उदाहरण स्थापित करें।

पंजाब किंग्स का आईपीएल 2025 अभियान

पंजाब किंग्स अपना आईपीएल सीजन 18 का पहला मुकाबला 25 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद वे लखनऊ सुपर जायंट्स से भिड़ेंगी। टीम फिर अपने घरेलू मैदान न्यू पीसीए स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ लौटेगी, जहां वे राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ दो महत्वपूर्ण मैच खेलेंगी।

आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स किस हद तक सफल होगी, यह देखना रोमांचक होगा, लेकिन रिकी पोंटिंग के नेतृत्व में टीम का आत्मविश्वास और रणनीतिक तैयारी निश्चित रूप से उन्हें एक मजबूत दावेदार बना रही है।

एमएस धोनी के फैन रमेश शानमुगम पैरा एथलेटिक्स में रच रहे हैं सफलता की नई इबारत

नई दिल्ली

पैरा एथलीट रमेश शानमुगम पूर्व दिग्गज भारतीय क्रिकेटर एमएस धोनी को अपना आदर्श मानते हैं। उनका कहना है कि धोनी को देखकर उन्होंने मुश्किल समय में संयम और अनुशासन बनाए रखना सिखा है। इससे वह पैरा एथलेटिक्स में सफलता की नई इबारत रच रहे हैं।

यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 के दूसरे दिन पुरुषों की 800 मीटर टी53/टी54 में स्वर्ण पदक जीतने के बाद रमेश शानमुगम की आंखों में चमक थी। जीत के बाद उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, एक बार एमएस धोनी रिटायर हो जाएं, तो मैं क्रिकेट देखना बंद कर दूंगा।

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले के मन्नथमपट्टी गांव से ताल्लुक रखने वाले रमेश वर्षों से पूर्व भारतीय कप्तान को अपना आदर्श मानते हैं और इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

रमेश ने साई मीडिया से बातचीत में कहा, मैं पहले क्रिकेट खेलता था। तेज दौड़ता था और विकेटकीपर भी था। मैंने कई मैच स्टेडियम में देखे हैं क्योंकि मुझे यह खेल बेहद पसंद है, खासकर हमारे थाला एमएस धोनी को।

30 वर्षीय पैरा एथलीट मानते हैं कि धोनी ने उन्हें मुश्किल समय में संयम और अनुशासन बनाए रखना सिखाया है। इन मूल्यों का पालन करते हुए वह व्हीलचेयर रेसिंग में सफलता की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं। रमेश पुरुषों की 800 मीटर टी53/टी54 में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं और हाल ही में विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीत चुके हैं।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में भी उन्होंने 800 मीटर और 100 मीटर स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी उपलब्धियों की सूची में इजाफा किया।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं सही रास्ते पर हूं। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और युवा एवं खेल मामलों के मंत्रालय ने पैरा एथलीटों के लिए बेहतरीन समर्थन दिया है। एक किसान परिवार में जन्मे रमेश का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। मात्र आठ साल की उम्र में एक ट्रक दुर्घटना ने उनके दोनों पैर छीन लिए। सीमित संसाधनों वाले परिवार के लिए यह एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन सरकारी सहायता और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से उन्होंने अपनी शिक्षा पूरी की। उन्होंने कहा, मैंने अपने जीवन में कई कठिनाइयों का सामना किया है। मुझे खुद को साबित करना है, अपना नाम बनाना है। त्रिची के एक कॉलेज से बायो केमिस्ट्री में बी.एस.सी. करने के दौरान रमेश का रुझान पैरा स्पोर्ट्स की ओर हुआ। उन्होंने पैरा बास्केटबॉल में भारत का प्रतिनिधित्व किया और आठ अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेले। हालांकि, इस खेल में सीमित अवसरों के कारण उन्होंने दो साल पहले पैरा एथलेटिक्स को अपनाने का निर्णय लिया। बास्केटबॉल से मिली गति और ऊर्जा ने उन्हें व्हीलचेयर रेसिंग में तेजी से आगे बढ़ने में मदद की।

वर्ष 2027 में आईओसी सत्र की मेजबानी करेगा पुंटा काना

डोमिनिकन गणराज्य का पुंटा काना आधिकारिक रूप से 2027 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) सत्र की मेजबानी करेगा। शुक्रवार को यहां आईओसी सदस्यों द्वारा मतदान के बाद यह निर्णय लिया गया। यह पहली बार होगा जब डोमिनिकन गणराज्य इस महत्वपूर्ण आयोजन की मेजबानी करेगा। इसके साथ ही, 38 वर्षों बाद ओलंपिक आंदोलन कैरेबियन क्षेत्र में लौटेगा। इससे पहले 1989 में प्यूर्टो रिको में 95वां आईओसी सत्र आयोजित किया गया था। आईओसी कार्यकारी बोर्ड ने पुंटा काना को मेजबान शहर के रूप में प्रस्तावित किया था। यह सिफारिश आईओसी सत्र मूल्यांकन आयोग द्वारा किए गए एक व्यवहार्यता अध्ययन पर आधारित थी, जिसका नेतृत्व आईओसी सदस्य सर मियांग नग ने किया था।

खूंटी के सुधीर सांगा ने मिनी नेशनल तीरंदाजी प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

खूंटी

नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय खूंटी के छात्र सुधीर सांगा ने आंध्र प्रदेश के गुंटूर में 21 मार्च से चल रही मिनी नेशनल तीरंदाजी प्रतियोगिता में अंडर-13 कंपाउंड बालक वर्ग के 30 मीटर इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर झारखंड का नाम रोशन किया। सुधीर की इस शानदार उपलब्धि से पूरे जिले और राज्य में खुशी का माहौल है।

संघर्ष से सफलता तक का सफर

सुधीर सांगा का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। बाल्यकाल में ही पिता का निधन हो गया था, जिसके कारण उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर हो गई। उनकी मां बिरंग सांगा मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करती हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद, सुधीर की प्रतिभा और लगन ने उन्हें एक असाधारण खिलाड़ी बना दिया। सुधीर का झुकाव तीरंदाजी की ओर था, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण इसे सीखना आसान नहीं था। उनकी प्रतिभा को देखते हुए सरकार द्वारा संचालित नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय, खूंटी में उनका दाखिला कराया गया, जहां उन्हें खेल के लिए सही माहौल और प्रशिक्षण मिला। अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजों से मिला सहयोग सुधीर के पास अभ्यास के लिए आवश्यक संसाधन नहीं थे, लेकिन अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज और वर्तमान में सीआरपीएफ में कार्यरत अस्मिता केरकेट्टा ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए अपना धनुष अभ्यास के लिए दिया। इसके अलावा, राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाज राहुल और मोनिका ने भी सुधीर की मदद की और उन्हें कीमती साइटर और तीर उपलब्ध कराए। इस सहयोग ने सुधीर के अभ्यास को और मजबूत बनाया और उन्हें प्रतियोगिता के लिए बेहतर तरीके से तैयार होने का मौका दिया।

प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

आंध्र प्रदेश के गुंटूर में आयोजित मिनी नेशनल तीरंदाजी प्रतियोगिता में देशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हुए थे। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, सुधीर ने अपने सटीक निशाने और बेहतरीन तकनीक से सभी को प्रभावित किया और स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इस उपलब्धि से उन्होंने खूंटी सौर झारखंड का नाम रोशन किया। सुधीर की जीत से स्कूल, जिला और राज्य में हर्ष और गर्व का माहौल है। स्कूल के शिक्षकों, प्रशिक्षकों और सहपाठियों ने उनकी मेहनत और लगन की सराहना की।

बॉक्सिंग के बादशाह जॉर्ज फोरमैन का 76 साल की आयु में निधन

वाशिंगटन

हैवीवेट बॉक्सिंग चैंपियन और ग्रिलिंग के दिग्गज जॉर्ज फोरमैन का 76 साल की आयु में शुक्रवार को निधन हो गया। उन्होंने 45 साल की उम्र में असंभव को संभव में बदलकर खिताब वापस पाने के लिए वापसी की। उन्होंने अकूत पैसा कमाया। उनके परिवार ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनकी मृत्यु की घोषणा की। परिवार ने इसके लिए कोई कारण नहीं बताया है।

फोरमैन 10 साल दूर रहने के बाद जब रिंग में लौटे तो संदेह था कि उनके जैसे उम्र के फाइटर किसी भी युवा फाइटर को हरा सकते हैं। 1994 में उन्होंने अपराजित माने जाने वाले माइकल मूरर को हराकर विश्व खिताब हासिल कर बॉक्सिंग की दुनिया को चौंका दिया। लास एजेंल्स टाइम्स अखबार के

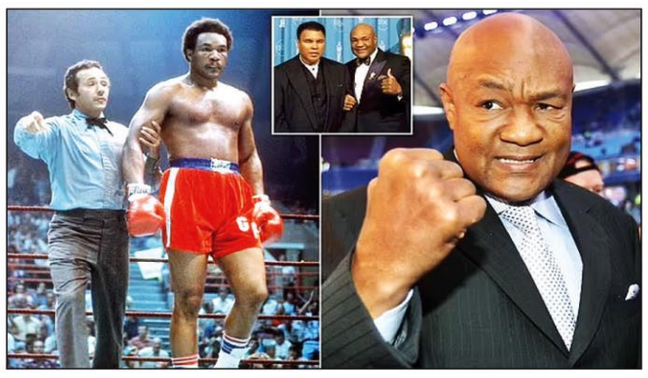

अनुसार, जॉर्ज फोरमैन रंबल इन द जंगल हैवीवेट चैम्पियनशिप फाइट में मोहम्मद अली से मुकाबला किया था। जॉर्ज लीन मीन इलेक्ट्रिक ग्रिल को बढ़ावा देने में इतने सफल रहे कि एक पूरी पीढ़ी उन्हें टेलीविजन ग्रिल वाले व्यक्ति के रूप में पहचानती हुई बड़ी हुई। उन्होंने अपने 81 मुकाबलों में से 76 में जीत हासिल की। जॉर्ज ने इनमें 68 मुकाबलों में नॉकआउट रहे। उन्होंने पांच शादी की। इनसे 12 बच्चे हुए। उन्होंने अपने सभी पांच बेटों का नाम जॉर्ज रखा। काफी पहले उन्होंने अपनी वेबसाइट पर स्पष्ट किया था, मैंने अपने सभी बेटों का नाम जॉर्ज एडवर्ड फोरमैन रखा, ताकि उनमें हमेशा कुछ न कुछ समानता रहे। मैं उनसे कहता हूं कि अगर हममें से कोई ऊपर जाता है, तो हम सब एक साथ ऊपर जाते हैं, और अगर कोई नीचे जाता है, तो हम सब एक साथ नीचे जाते हैं। जॉर्ज के जैविक पिता लेरॉय मूरहेड थे। जॉर्ज का बचपन घोर अभाव में बीता। उनके स्कूल के लंच में अकसर मेयोनेद सैंडविच होते थे। उन्होंने स्थिति को सुधारने के लिए दुकानों से सामान चुराया। छात्रों से उगाही की। सड़क पर लोगों को लूटा। उन्होंने एक बार कहा था कि उनका लक्ष्य जेल जाना था। इसके बाद अपने गृहनगर ह्यूस्टन में सबसे भयंकर गिरोह बनाना था। बड़े होने पर जॉर्ज ने शौकिया तौर पर मुक्केबाजी को चुना और प्रशिक्षण के लिए बे एरिया चले गए। उन्होंने शौकिया रैंक के माध्यम से आगे बढ़ते हुए 1968 में मैक्सिको सिटी में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के लिए अर्हता प्राप्त की। उन्होंने सोवियत संघ के लिए लड़ रहे लिथुआनियाई जोनास सेपुलिस को स्वर्ण पदक हेवीवेट मैच में 1ड्ड राउंड तक खून से लथपथ किया। रेफरी के लड़ाई रोकने पर उन्होंने जीत हासिल की।फोरमैन ने एक लघु अमेरिकी ध्वज लहराते हुए रिंग के चारों ओर परेड की। फोरमैन ने पूर्व हेवीवेट चैंपियन सोनी लिस्टन के साथ मुकाबला किया। जब वह पेशेवर बने तो लिस्टन की प्रबंधन टीम के साथ से जुड़ गए। फोरमैन ने जनवरी 1973 में किंग्स्टन, जमैका में चैंपियन जो फ्रेजियर के खिलाफ मुकाबला करते हुए हैवीवेट डिवीजन में जगह बनाई थी। उन्होंने फ्रेजियर को गिराया और हॉवर्ड कॉसेल के उत्साहित आह्वान के बीच दूसरे राउंड में तकनीकी नॉकआउट पर जीत हासिल की। वह रिंग में पूर्व चैंपियन मोहम्मद अली से भी भिड़े। अली ने 1960 के दशक के मध्य में हैवीवेट डिवीजन पर अपना दबदबा बनाया था। वियतनाम युद्ध के दौरान अमेरिकी सैन्य मसौदे का जवाब देने से इनकार करने के बाद उनसे खिताब छीन लिए गए और उन्हें मुक्केबाजी से प्रतिबंधित कर दिया गया। तमाम झंझावात का मुकाबला करते हुए उन्होंने 1974 में शानदार वापसी की। साल 2022 में उन पर दो महिलाओं ने यौन शोषण का आरोप भी जड़ा। जीवन के अंतिम वर्षों में फोरमैन और उनकी पत्नी मैरी टेक्सास के हफमैन में अपना आशियाना (45 एकड़ परिसर) बनाया।

सुरों के साथ भरें भविष्य की उड़ान

पहले म्यूजिक को सिर्फ मनोरंजन का साधन माना जाता था, लेकिन समय के बदलते ही म्यूजिक कॅरियर का बहुत अच्छा साधन बन गया है । दुनिया में शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा जिसे गीत-संगीत में रुचि न हो। भारतीयों को तो संगीत से हमेशा से ही विशेष लगाव रहा है। भारतीय शास्त्रीय संगीत की विविधता तथा प्रचुरता का सारा विश्व कायल है। गीत-संगीत बॉलीवुड फिल्मों का हमेशा सबसे अहम अंग रहा है।

म्यूजिक के उस्ताद बनने के लिए

म्यूजिक के जरिए इंसान अपनी इमोशन, फीलिंग्स को पेश कर सकते हैं और यही नहीं इंसान अपने मन के भावों को भी बयान कर सकता हैं। इस क्षेत्र में उस्ताद बनना कोई आसान काम नहीं है इसके लिए सच्ची लगन और हॉर्ड वर्क की जरूरत होती हैं। साथ ही इस क्षेत्र में कामयाबी हासिल करने के लिए आपके पास नेचुरल टैलेंट होना बेहद जरूरी है। नैचुरल टैलेंट के जरिए ही आपको इस क्षेत्र में कामयाबी मिलेगी और आप आगे बढ़ेंगे।

कोर्स करवाने वाले कुछ प्रमुख संस्थान...

- डिपार्टमेंट ऑफ म्यूजिक, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- श्रीराम भरतिया, दिल्ली कला केंद्र, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस, उत्तर प्रदेश
- भातखंडे म्यूजिक इंस्टीट्यूट, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

आखिर क्या चाहिए योग्यता...?

अगर आप ने 12वीं कक्षा पास कर ली हैं तो आप आसानी से म्यूजिक फील्ड से जुड़े कोर्सेज में एडमिशन ले सकते हैं और आप इसमें सर्टिफिकेट कोर्स, बैचलर कोर्स, डिप्लोमा कोर्स और पोस्ट ग्रेजुएट लेवॅल के कोर्स भी कर सकते हैं। आपकी आवाज अच्छी है तो आप अपना म्यूजिक एलबम जारी कर सकते हैं, पार्श्व गायक बन सकते हैं, फिल्मों में गाने गा सकते हैं, टेलीविजन पर म्यूजिक-शो होस्ट कर सकते हैं, जिंगल्स और विज्ञापनों के लिए अपनी आवाज दे सकते हैं या फिर स्टेज-शो भी कर सकते हैं । अगर आप संगीत में रुचि रखते हैं पर गाना गाने में खुद को असमर्थ पाते हैं तो आप इन ऑफबीट करियर क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं। इनके जरिए आप हमेशा संगीत के संपर्क में बने रहेंगे।

...तो कितने 'टैक स्मार्ट' हैं आप

आज की दुनिया का हर पहलू तेजी से इंटरनेट से जुड़ता जा रहा है। सोशल नैटवर्किंग वेबसाइट्स की लोकप्रियता भी इनमें शामिल हो चुकी है। ऐसे में कंपनियों का आधुनिक तकनीकों तथा रुझानों से भली प्रकार अवगत कर्मचारियों की तलाश करना स्वाभाविक हो गया है।

ऐसे कर्मचारियों को अधिक महत्व

जानकार कहते हैं कि इन दिनों संस्थान तकनीकी रूप से सक्षम कर्मचारियों का महत्व समझते हैं और वे अपने यहां नियुक्तियों के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारियों में संबंधित कौशल की अपेक्षा भी रखते हैं। कंपनियां मानती हैं कि कर्मचारियों में तकनीकी समझ को ग्रहण करने की कुदरती खूबी होनी चाहिए तभी वे भविष्य में कंपनी में या कामकाज में होने वाले तकनीकी विकास के साथ कदम से कदम मिला कर कम्पनी के हित में कार्य कर सकेंगे। वैसे भी हर कंपनी अपनी प्रतियोगी कंपनी से आगे रहने की कोशिश करती है, जिसके लिए उसके कर्मचारियों में गहन तकनीकी ज्ञान होना अनिवार्य हो जाता है। इतना ही नहीं, बहुराष्ट्रीय कंपनियों में तो यह कौशल और भी जरूरी है।

बेहतर ढंग से दे सकते हैं अंजाम...

आज के दौर में तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं, एक जरूरत बन चुकी है। यह भी माना जाता है कि आज के दौर में अच्छा प्रदर्शन तथा करियर में तरक्की के लिए तकनीकी दक्षता बेहद महत्वपूर्ण है। तकनीकी रूप से सक्षम व्यक्ति अपने काम को और अधिक बेहतर ढंग से अंजाम दे सकता है जो उसके साथ-साथ कम्पनी के लिए भी लाभदायक स्थिति साबित होती है। यह सवाल भी उठ सकता है कि भला कोई कंपनी किस तरह से किसी के टीएसक्यू का आकलन लगा सकती है। इसके लिए इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों से ही प्रार्थी की तकनीकी दक्षता तथा तकनीकों से उसके लगाव के बारे में काफी कुछ पता चल सकता है। अंत में निष्कर्ष यही निकलता है कि आज के प्रतियोगी दौर में सफल होना है तो युवाओं को नवीनतम तकनीक के प्रति सजग रहते हुए अपने 'टैक-स्मार्ट क्वोशन्ट' को उम्दा बनाए रखना चाहिए।

आएगा किलोबोट का जमाना...

रोबोट आर्मी यानी छोटे रोबोट का झुंड निकट भविष्य में 'रोबोटिक्स' में नया अध्याय जोड़ेगी. हॉर्वर्ड स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड साइंसेज, मैसाच्युसेट्स के वैज्ञानिकों ने एक हजार सूक्ष्म रोबोटों की मजबूत 'आर्मी' इन्हें किलोबोट नाम दिया गया है बनाने में कामयाबी हासिल की है। इस रोबोट आर्मी से ऐसे कई कामों में बड़ी मदद मिलने की उम्मीद है, जिनमें मनुष्य अब तक खुद को लाचार महसूस कर रहा था। क्या है यह किलोबोट, कैसे काम करता है और किस तरह उपयोगी होगा, ऐसे ही पहलुओं पर नजर डालते हैं।

रोबोट ऑर्मी की ताकत

गणितीय कलन पर आधारित रोबोट आर्मी किलोबोट की संरचनात्मक प्रकृति इसे खास बनाती है। रोबोट समूहों के साथ काम करने के कारण समस्याओं को मूल रूप से अलग तरीके से हल किया जा सकता है। रोबोटिक्स के रिसर्च की कड़ी का अगला लक्ष्य सामान्य पारस्परिक क्रियाओं और जटिल सामूहिक क्रियाओं के बीच के संबंधों को समझना है। अकेले और टीम प्लेयर, दोनों तरीकों से काम कर सकनेवाले रोबोट केवल अकेले काम कर पाने वाले रोबोट की तुलना में ज्यादा ताकतवर और बहुपयोगी साबित होगा। जैसे, टीम के रूप में काम करनेवाले रोबोट का अपेक्षाकृत मुश्किल कामों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इस प्रकार के रोबोट पानी के भीतर जाकर जांच-पड़ताल करने के साथ-साथ बेहद मुश्किल क्षेत्रों में होनेवाले अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। इसके अलावा, भूकंप या अन्य आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पीड़ितों या हताहतों को खोजने और राहत कार्यों के लिए ये अच्छा माध्यम बनेंगे। हालांकि, रोबोट आर्मी के लिए कुछ काम मुश्किल भी हैं- जैसे बड़े भौगोलिक दुर्गम क्षेत्रों में अन्वेषण का कार्य, निर्माण संबंधी कार्य।

कैसे काम करता है

प्रत्येक किलोबोट संरचना की दृष्टि से बहुत ही छोटा होता है। किलोबोट आसानी से अपने पैरों को घुमा सकता है और अन्य रोबोटों से इन्फ्रारेड ट्रांसमीटरोंऔर रिसीवरों के माध्यम से संपर्क स्थापित कर सकता है। सैकड़ों-हजारों की संख्या वाले झुंड में किसी एक किलोबोट का महत्व बहुत ज्यादा नहीं होता है। ऐसे में अगर एकाध रोबोट काम करना बंद कर दे या खराब हो जाए, तो इसका ज्यादा असर नहीं होता है, क्योंकि इससे उनका सामूहिक कार्य तकरीबन अप्रभावित रहता है। दूसरी सबसे अहम बात है कि एक साथ सैकड़ों रोबोट को व्यवस्थित व संचालित करने के लिए सॉफ्टवेयर और इंन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत होती है। कुछ रोबोटों को सामूहिक रूप से संचालित करने में ज्यादा दिक्कत नहीं आती है, लेकिन अगर संख्या हजारों में हो, तो तेजी से प्रबंधन कर पाना मुश्किल होता है। खासकर एक साथ हजारों रोबोटों को चार्ज करने की समस्या सामने आ सकती है। एक हजार रोबोट को मैनुअली चार्ज करने के लिए एक हजार प्लग की जरूरत होगी।

इंसान की हमेशा से यह ख्वाहिश रही है कि उसका जीवन ज्यादा से ज्यादा सुखी हो और उसके सभी काम आसानी से पूरे हो जाएं इसके लिए वह लगातार नई-नई सुविधाओं की तलाश में रहा है। निरंतरता, सुगमता और उत्पादकता ने ही इंसान को मशीन जैसे अविष्कारों के लिए प्रेरित किया। सीधे-सपाट शब्दों में कहा जाये तो मशीनों के आविष्कार ने धीरे-धीरे इंसान के हर काम को बेहद आसान बना दिया है। विज्ञान की भाषा में बात करें तो एक साधारण मशीन, बल की दिशा या परिमाण को परिवर्तित करने का सबसे सरल माध्यम है। मशीन की तकनीक को सतत रूप से बेहतर बनाते हुए इंसान 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' की तकनीक तक पहुंचा और इसी तकनीक का परिणाम है 'रोबोट'। आज रोबोट ने इंसान के लिए दुष्कर समझे जाने वाले कई तरह के कार्यो को बेहद आसान बना दिया है। अब इससे एक कदम और आगे बढ़ते हुए 'रोबोट आर्मी' दुनिया के सामने होगी।

कॉम्पलेक्स-शेप

रोबोट आर्मी यानी ढेर सारे रोबोट का झुंड। इसका सिद्धांत निकट भविष्य में 'रोबोटिक्स' यानी विज्ञान की वह शाखा जिसमें रोबोट का अध्ययन होता है में एक नया अध्याय जोड़ेगी। हॉर्वर्ड स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड साइंसेज, मैसाच्युसेट्स के वैज्ञानिकों ने एक हजार सूक्ष्म रोबोटों की मजबूत आर्मी बनाने में कामयाबी हासिल की। इसका नाम 'किलोबोट' दिया गया है। प्रत्येक सूक्ष्म रोबोट को इन्फ्रा-रेड सेंसर और दो मोटरों जिनसे उनके पैर वाइब्रेट होते हैं, यानी वे सक्रिय होते हैं से सुसज्जित किया गया। ये रोबोट एक-दूसरे से संचालित होते हैं और आसानी से अलग-अलग तरह के कॉम्पलेक्स-शेप बनाने में सक्षम होते हैं।

क्या है 'किलोबोट'

बेहद छोटे आकार वाले यानी लगभग सिक्के जितने रोबोट आपस में मिल कर आसानी से थ्री-डी आकार बना लेते हैं। ये किलोबोट आपस में महज दो सेंटीमीटर की दूरी पर खड़े किये जा सकते हैं। ये किलोबोट चींटियों, मधुमक्खियों या सूक्ष्मजीवों की तरह जटिल संरचना बना पाने में सक्षम होते हैं। सैकड़ों की संख्या में किलोबोट एक साथ काम कर सकते हैं। वैज्ञानिकों ने एडवांस्ड एल्गोरिथम यानी उच्च गणितीय कलन विधि के माध्यम से प्रत्येक रोबोट के लिए प्रोग्रामिंग तैयार की। इस प्रोग्रामिंग की मदद से किलोबोट स्वतः संचालित होते हैं और आसपास के रोबोटों के बीच कमांड यानी दिशानिर्देश ट्रांसफर करते हैं।

आसान व सस्ते

किलोबोट प्रोजेक्ट में शामिल रहे हॉर्वर्ड विश्वविद्यालय के मुख्य शोधकर्ताओं के मुताबिक, रोबोट अन्य उपकरणों की तरह स्टेट-ऑफ-द-आर्ट हार्डवेयर से बने होते हैं और विभिन्न सेंसरों से मुक्त होते हैं, जबकि किलोबोट के फंक्शन बहुत सीमित होते हैं, ये सीधी लाइन में नहीं चल सकते हैं। इसी वजह से इनका निर्माण आसान व सस्ता होता है। किलोबोट एक साथ मिल कर थ्री-डी आकार बना सकते हैं। इस पर रिसर्च अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन भविष्य में इनके कई तरह के अत्यंत उपयोगी व्यावहारिक प्रयोग सामने आएंगे।

भविष्य में किलोबोट

किलोबोट की तकनीक निश्चित तौर पर आने वाले समय में रोबोटिक्स के क्षेत्र में वैज्ञानिकों के सामने नई संभावनाएं लाएगी। शोधकर्ताओं के अनुसार, जब आप प्रोग्रामेबल रोबोट पर काम कर रहे होते हैं, तो रोबोट एक संवाहक तार की तरह काम करता है। दूसरे शब्दों में कहें तो इन रोबोट्स का झुंड आपके द्वारा दिए गए कमांड के मुताबिक आकार लेने में सक्षम होता है। किलोबोट एक साथ मिल कर थ्री-डी वस्तु का निर्माण कर सकते हैं। प्रोग्रामेबल रोबोट औसत थ्री-डी प्रिंटर की क्षमता में आसानी से बढ़ोतरी कर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन्हीं वजहों से एक समय ऐसा आयेगा, जब किलोबोट का इस्तेमाल अंतरिक्ष में भी किया जा सकेगा। अंतरिक्ष विज्ञान के रिसर्च क्षेत्र में और अंतरिक्ष में जाने वाले एस्ट्रोनॉट के लिए यह काफी मददगार साबित होगा। मंगल आदि ग्रहों पर जानेवाले अंतरिक्ष यात्रियों को अपने साथ टूल-बॉक्स ले जाना जरूरी होता है। सामान्य तौर पर अंतिरक्ष यात्री जरूरतों के मुताबिक बहुत बड़े टूल-बॉक्स को साथ ले जाते हैं। यदि बड़े टूल-बॉक्स को ले जाने के बजाय रोबोट का एक छोटा बॉक्स ही काफी हो और इन रोबोट की मदद से अपने काम को बेहद आसानी से अंजाम दिया जा सके, तो इसकी महत्ता और बढ़ जायेगी। फिलहाल, कई वैज्ञानिक ऐसी एल्गोरिथम को विकसित करने में लगे हैं, जिससे किलोबोट अंतरिक्ष यात्र को और भी आसान बना सके।

जिंदगी से जुड़ेगा

'ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' तकनीक भविष्य की विभिन्न जरूरतों के लिए एक सशक्त माध्यम साबित होगी। रोबोट एक ओर जहां ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का साकार रूप है, तो वहीं किलोबोट 'कलेक्टिव ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' की मजबूत तकनीक है। इस तकनीक से ऑर्टिफिशियल कॉम्पलेक्स मशीन का सपना साकार होगा। खास बात यह है कि इस कॉम्पलेक्स मशीन का निर्माण छोटे रोबोट मिल कर खुद कर लेंगे। वैज्ञानिकों के अनुसार, रोबोटों की संख्या को बढ़ा कर अन्य अपेक्षित परिणाम भी हासिल किये जा सकते हैं। मसलन, सैकड़ों रोबोट एक साथ मिल कर पर्यावरण सफाई और आपदा से निपटने में सक्षम हो सकते हैं। इसके अलावा इनकी मदद से राजमार्गों पर लाखों सेल्फ ड्राइविंग कारों के सपने साकार होने की उम्मीदें जगी हैं।

बढ़ेगी समझ

वास्तविक दुनिया में भौतिक रूप से पारस्परिक प्रभाव और विभिन्नताएं अंतर पैदा करती हैं। उम्मीद है कि किलोबोट के आविष्कार के साथ वास्तविक रोबोट पर एल्गोरिथम कुछ नए और आश्चर्यजनक परिणाम सामने लाएगी। खासकर बड़ी समस्याओं से निपटने और दुश्वारियों से बचने के लिए हमारी समझ बढ़ेगी। फिलहाल, छोटे रोबोटों के इस झुंड से विभिन्न आकार बनाने में कामयाबी मिली है। अगले चरण में इंटेलीजेंस की इस प्रक्रिया को बेहतर बनाते हुए और भी छोटे रोबोट को विकसित किया जा सकता है।

कुछ और खास रोबोट

स्नैक-बोट

एसीएम-आर5 नामक यह एक सांप की तरह का रोबोट है, जो सूखी सतह पर रेंग सकता है और पानी में तैर सकता है। जमीन और पानी दोनों ही पर मूव करने में सक्षम इस रोबोट का विकास जापान की एक कंपनी हाइबोट ने किया है। जरूरत के मुताबिक यह पानी में खुद को मोड़ने में भी सक्षम है।

नाओ रोबोट

फ्रांस की कंपनी एल्डबेरन रोबोटिक्स ने इस स्वायत्त और प्रोग्रामैबल रोबोट का विकास किया है, जिसे नाओ के नाम से जाना जाता है। इस रोबोट में दृश्य और श्रव्य की क्षमता होने के साथ इसकी गति भी तेज है। यह रोबोट विभिन्न सतहों पर चल सकता है, वस्तुओं की पहचान करने के साथ उसे खोज भी सकता है। साथ ही छूने पर या मौखिक कमांड देने पर अपनी ओर से प्रतिक्रिया देने में भी सक्षम है। इतना ही नहीं, यह गंगनम स्टाइल में डांस भी कर सकता है।

कुराता रोबोट

रोबोटिक्स की दुनिया में कुछ आविष्कार कल्पना के मुकाबले ज्यादा विचित्र रहे हैं। जापान की सुइडोबाशी हेवी इंडस्ट्री द्वारा निर्मित यह रोबोट एक 13 फीट ऊंचे मशीन के सहारे खड़ी की जाती है और यह मशीन गन तथा रॉकेट लॉन्चर से लैस है। इस तरह के कुराता रोबोट को हॉलीवुड की कुछ प्रख्यात फिल्मों 'ट्रांसफॉर्मर्स' और 'रीयल स्टील' में देखा जा सकता है। इसके हाथों में हथियार होने से देखने में यह खतरनाक प्रतीत होता है। इस बड़े रोबोट को इसके भीतर बने कॉकपिट में बैठ कर मैनुअली या फिर स्मार्टफोन की सहायता से रिमोट के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है। इस रोबोट रूपी मशीन की कीमत 1.35 मिलियन बताई गई है।

बिग डॉग

बोस्टन डाइनामिक्स ने चार पैरों वाले इस रोबोट का आविष्कार किया, जिसे बिग डॉग नाम दिया गया। अमेरिकी रक्षा विभाग की एक शाखा डिफेंस एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट एजेंसी द्वारा प्रायोजित इस रोबोट को सेना की सहायता के लिए विकसित किया गया था। चार पैरों वाला यह रोबोट सेना को उस प्रकार की सतह पर चलने में मदद करने के लिए बनाया गया था, जिस पर सेना के वाहन नहीं चल सकते। यह रोबोट अपने साथ डेढ़ क्विंटल तक का वजन ढोने में सक्षम है।

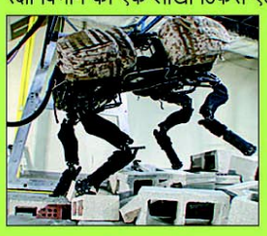

HEALTH

अखरोट में नाड़ी तंत्र की रक्षा करने वाले यौगिक मौजूद

ब्रेन फूड बनाएगा आपके दिमाग को और तेज

आमतौर पर हमेशा हमारा जोर ऐसे खाने पर रहता है, जिससे हम अपने दिमाग को और भी तेज बना सकें। ऐसे में हम ड्राई फ्रूट्स खाने पर ज्यादा जोर देते हैं। इसके अलावा दूध का भी लोग खूब इस्तेमाल करते हैं। मगर शायद आपको नहीं मालूम कि दिमाग के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद कौन सी चीज होती है? तो आइए आज हम आपको बताते है उस ब्रेन फूड के बारे में, जिससे आप अपने दिमाग को और भी तेज बना सकते हैं।

डीजेनरेशन को कम करता है

यदि भोजन की दिखावट और यह शरीर के लिए क्या करता है, इन दोनों में कोई संबंध है तो अखरोट जिसे ब्रेन फूड कहा जाता है, वह इस मामले में सबसे पहले आता है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय दिमाग को उच्च क्वालिटी फैट्स जैसे ओमेगा थ्री फैटी एसिड्स की जरूरत होती है ताकि यह सही ढंग से काम कर सके। अखरोट में नाड़ी-तंत्र की रक्षा करने वाले कई यौगिक शामिल होते हैं जैसे विटामिन ई, फोलेट, मैलाटोनिन, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स तथा एंटी ऑक्सीडैंट्स। यह सब उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोग्रीटिव लाइन की डीजेनरेशन को कम करने के लिए जाने जाते हैं ।

बढ़ाता है मैलाटोनिन का स्तर

इनके साथ ही मैगनीका, कॉपर, आयरन, फास्फोरस, मैगनीशियम तथा कैल्शियम भी अखरोटों में पाए जाते हैं जो रक्त में मैलाटोनिन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं। मैलाटोनिन का स्तर शरीर में निद्रा को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स का मुख्य कारक है। अच्छी नींद यकीनन अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इस बारे में जानकार कहते हैं। अधिकतर मेवों की तरह अखरोट कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने तथा हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होता है। प्रतिदिन 3 या 4 अखरोटों का सेवन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन्हें रात भर भिगो कर रखा जाए और फिर इनका सेवन किया जाए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**